



यूक्रेन ने की तारीफ, बोले-दिल्ली का शांति प्रस्ताव सबसे बेहतर

भारत का 'फॉर्मूला' खत्म कराएगा यूक्रेन-रूस युद्ध!

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने रूस से चल रहे युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत से मिले प्रस्ताव की जमकर तारीफ की है। उनका कहना है कि फरवरी 2022 में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार भारत ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यापक और विस्तृत प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्तावों में से दिल्ली की ओर से मिला प्रस्ताव सबसे व्यापक है। कीव में पत्रकारों से बात करते हुए सिबिहा ने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। पहली बार भारत ने इसमें भूमिका निभाने की इच्छा जताई है। यूक्रेन ब्लैक सी (काला सागर) में ऊर्जा और कृषि से जुड़े समझौते (ट्रस) के लिए तैयार है, और संपर्क रेखा (लाइन ऑफ कॉन्टैक्ट) पर बिना शर्त युद्धविराम पर भी विचार कर रहा है। भारत के अलावा, यूक्रेन को तुर्की, मिश्र और अमेरिका से



भी संभावित युद्धविराम के प्रस्ताव मिले हैं। सिबिहा के अनुसार, यूक्रेन युद्धविराम के लिए इस शर्त पर सहमत होगा कि इसमें ना केवल सैन्य कार्रवाई, बल्कि ऊर्जा और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकना और ब्लैक सी की स्थिति में सुधार भी शामिल हो।

हम ऊर्जा और ब्लैक सी में युद्धविराम के लिए तैयार हैं

उन्होंने कहा, हमारे पास चार प्रस्ताव हैं। सबसे व्यापक प्रस्ताव भारत का है। हम ऊर्जा और ब्लैक सी में युद्धविराम के लिए तैयार हैं लेकिन केवल इसी संयोजन में ये होगा। तुर्की और मिश्र ने भी इसी तरह की पहल का प्रस्ताव दिया है। उनके प्रस्तावों में ब्लैक सी में युद्धविराम की बात कही गई है, जिससे यूक्रेनी अनाज के निर्यात को फिर से शुरू करने के लिए हालात बन सकेंगे। अमेरिका ने भी अपना प्रस्ताव पेश किया है। वाशिंगटन का अग्रह यूक्रेन और रूस से ऊर्जा के बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने के समझौते पर सहमत होने का है। सिबिहा ने कहा कि कीव सीधे फ्रंटलाइन (मोर्चे) पर व्यापक युद्धविराम पर विचार करने के लिए तैयार है। व्लाड्मिर डिस्कशन क्लब के सालाना विदेशी नीति भाषण में पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और दोस्ताना रिश्ते, और व्यक्तिगत अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते हैं। उन्हें इसका समाधान खोजने में गहरी दिलचस्पी है और उनके पास बहुत अच्छे विचार हैं। पुतिन ने कहा कि स्वाभाविक रूप से प्रधानमंत्री मोदी निष्पक्ष रुख अपनाते हैं लेकिन साथ ही संघर्ष को खत्म करने में भी उनकी दिलचस्पी है।

लोग अपनी समस्याएं भेजें, मैं संसद से सड़क तक साथ हूँ

अन्याय के खिलाफ राहुल गांधी ने शुरू की 'सत्याग्रह' पहल

कहा-महात्मा गांधी ने भी लोगों से जुड़ने यही तरीका अपनाया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने देशभर में अन्याय और अपने हक के लिए लड़ रहे लोगों की आवाज को एक साथ जोड़ने के लिए सत्याग्रह नाम से एक पहल शुरू की है। राहुल ने कहा कि जो भी लोग अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूँ। राहुल की इस पहल का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है।



● अकेले लड़ने वालों की आवाज दब जाती है- राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जैन-जौ, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है। सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है। बापू ने यही सिखाया था - सच सबसे बड़ा हथियार है। पर उससे भी बड़ा हथियार है, एकता में सच के साथ खड़े होना।

संक्षिप्त

समाचार

कंटेनर-डंपर में टक्कर के बाद भीषण आग, 2 जिंदा जले

● सीट से चिपके मिले शव, सिर्फ हड्डियां बचीं, आगरा में दोनों गाड़ियां जलकर राख

आगरा (एजेंसी)। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर शनिवार सुबह कंटेनर और डंपर की भीषण टक्कर हो गई। हादसे के बाद दोनों गाड़ियों में भीषण आग लग गई। इसमें डंपर सवार 2 हेल्पर की जिंदा जलकर मौत हो गई। दोनों के शव सीट से चिपके मिले हैं। सिर्फ हड्डियां बचीं हैं। वहीं, कंटेनर चालक और पास से गुजर रहे बाइक सवार गंभीर रूप से



झुलस गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 5-45 बजे हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि धमाके जैसी आवाज हुई और तेज धुआं उठने लगा। कुछ ही पलों में ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान हाईवे पर 5 किमी लंबा जाम लगा गया। पुलिस ने क्रेन से गाड़ियां हटवाकर हाईवे के किनारे करवाईं। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के निवासी आकाश (25) और रवि (24) के रूप में हुई है। हादसा जिला मुख्यालय से 36 किमी दूर खेदौली थाना क्षेत्र के पास हुआ।

तिरुपति की फार्मा कंपनी में बॉयलर फटा, 5 की मौत

10 लोग गंभीर घायल, श्री सिटी में हादसे के बाद रेस्वयु जारी

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में श्री सिटी की एक फार्मा कंपनी में बॉयलर फट गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 10 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। धमाकों के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस जांच कर रही है।



धमाका इतना तेज था कि बिल्डिंग का हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया। सत्यदेवु मंडल में हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और इमरजेंसी सर्विस टीमों मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। एक अधिकारी के मुताबिक, बॉयलर फटने की सही वजह अभी पता नहीं चली है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि हादसा तकनीकी खराबी, सुरक्षा व्यवस्था में चूक, संचालन संबंधी लापरवाही या किसी अन्य कारण से हुआ। अधिकारियों ने अभी सभी मृतकों की पहचान और हादसे की पूरी जानकारी जारी नहीं की है।

एशियन गेम्स में फिर से किया 'धमाल'

● रेसलर अमन सहरावत ने चला सोने वाला दांव ● मेंस क्रिकेट, हॉकी, गोल्फ और तीरंदाजी में भी मार लिया मैदान



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में 21वां गोल्ड मेडल जीत लिया है। पुरुष हॉकी टीम ने फाइनल मुकाबले में मलेशिया को 5-1 से हराया। शनिवार को भारत ने मेंस क्रिकेट, आर्चरी, गोल्फ और कुश्ती में भी 1-1 गोल्ड जीता।

● **क्रिकेट:** भारत ने जीता गोल्ड, पाकिस्तान को 15 रन से हराया- भारत ने मेंस क्रिकेट फाइनल में पाकिस्तान को 15 रन से हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। भारत के 211 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन ही बना सकी। पाकिस्तान के हसन नवाज ने शानदार पारी खेलते हुए 96 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

● **प्रणवी उर्स ने जीता गोल्ड, पहली भारतीय महिला गोल्फर बनी-** नागोया में भारत की प्रणवी उर्स ने विमेंस इंडिविजुअल गोल्फ में गोल्ड मेडल जीता। वह एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गईं। उन्होंने चार राउंड में 15 अंडर 265 का स्कोर किया। प्रणवी ने फाइनल राउंड में 70 का स्कोर किया। तीसरे होल पर ट्रिपल बोमी के बाद उन्होंने तीन बड़ी लगाकर वापसी की और एक शॉट की बद्धत से गोल्ड जीता। भारत ने विमेंस टीम इवेंट में सिल्वर जीता। प्रणवी के साथ अदिति अशोक और दीक्षा डगार टीम में थीं। भारत का स्कोर 14 अंडर 546 रहा, जबकि चीन ने 22 अंडर 538 के साथ गोल्ड जीता। प्रणवी का गोल्ड 2002 के बाद पहला गोल्ड है।

तीरंदाजी: कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में गोल्ड जीता

महिला रिकर्व के फाइनल में भारत की कुमकुम मोहोड ने शूट-ऑफ में साउथ कोरिया की ओह ये जिन को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। शूट-ऑफ में ओह ये जिन ने 8 का निशाना लगाया, जबकि कुमकुम ने 10 अंक हासिल किए। इसके साथ ही कुमकुम एशियन गेम्स की चैंपियन बन गईं। कुमकुम महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत के लिए एशियन गेम्स मेडल जीतने वाली पहली तीरंदाज हैं। उन्होंने पहली बार इस स्पर्धा में भारत को गोल्ड दिलाया है।

टीवीके केैंडीडेट को 'सूटकेस बामा' कहने पर घिरे स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सत्तारूढ़ टीवीके, विपक्ष डीएमके और एआईडीएमके बीच चुनाव चमत्तान के बीच बांडी शेर्मिंग का विवाद चुनाव आयोग पहुंच गया है। मुख्यमंत्री थलपति विजय की अगुवाई वाली



टीवीके ने पूर्व सीएम एम के स्टालिन के खिलाफ आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। डीएमके चीफ स्टालिन पर आरोप है कि उन्होंने टीवीके की धारापुरम उपचुनाव में कैंडिडेट सत्यभामा पर तंज कसा। उन्हें पेटी बामा (सूटकेस बामा) कहा। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके की जीत के बाद धारापुरम से एआईडीएमके के टिकट पर जीतीं सत्यभामा ने इस्तीफा देकर विजय की पार्टी जॉइन की थी।

● कहा-कांग्रेसियों ने 75 साल तक सहकारिता मंत्रालय बनने नहीं दिया

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मध्य प्रदेश को 31 दिसंबर 2029 तक नशामुक्त करेंगे। भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर हुए 11 जिलों के करीब 35 हजार गोपालकों के सम्मेलन में उन्होंने गोशालाओं को 101 करोड़ दिए। उज्जैन में बन रहे 255 करोड़ के डेयरी प्लांट का वचुंअली भूमिपूजन किया। शाह ने भौरी में आइसर के अत्रि परिसर का शिलान्यास और स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

2029 तक एमपी को करेंगे नशामुक्त, शाह ने किया वादा

कहा-देश के टॉप 5 दूध उत्पादक राज्य बीजेपी शासित



कांग्रेसी विरोध करते हैं, मैं हिसाब देने आया हूँ

शाह ने कहा- कांग्रेसी हमारा विरोध करते हैं। मैं आज उनको हिसाब देने आया हूँ। आपने 75 साल में देश में दूध का कुल उत्पादन 14 करोड़ 7 लाख टन पहुंचाया था। मोदी जी ने 10 साल में 25 करोड़ तक पहुंचाने का काम किया है। ये इसीलिए होता है कि भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें लगन से काम कर रही हैं। प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन 2014-15 में 307 ग्राम था, अब 58 प्रतिशत बढ़कर 485 ग्राम पर पहुंच गया है। हमारा देश दुनियाभर में सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश बना है।

आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह नहीं होगी

केंद्रीय मंत्री ने कहा- मेरी एक मीटिंग मुख्यमंत्री और गृह विभाग के साथ है। मध्यप्रदेश 31 दिसंबर 2029 के पहले नारकोटिक्स से मुक्त हो जाए, इस प्रकाश की बारीक प्लानिंग आज करना चाहते हैं। मध्यप्रदेश के सारे अभिभावकों को, विशेष कर माताओं को कहने आया हूँ आपके बेटे-बेटी के लिए नशे की जगह ही नहीं होगी, उनका उज्ज्वल भविष्य होने वाला है। शाह ने कहा- देश आजाद हुआ तब से मांग थी कि भारत सरकार में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय बने, मगर कांग्रेसियों ने 75 साल तक बनने नहीं दिया। नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री आए, जिन्होंने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की। इसका सबसे बड़ा फायदा किसी को होने वाला है तो मेरे सामने बैठे गोपालकों को होने वाला है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में लालू परिवार को मिली बड़ी राहत

● सुनवाई टली, अब अगली तारीख 30 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी समेत 9 लोगों के खिलाफ आरोप तय होने की प्रक्रिया फिलहाल टल गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली इस सुनवाई के लिए अब 30 अक्टूबर की अगली तारीख तय की गई है। कोर्ट में सुनवाई टलने के बाद राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को फिलहाल 30 अक्टूबर तक राहत मिल गई है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने आईआरसीटीसी



होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी फैसला सुनाया था। कोर्ट ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

● आईआरसीटीसी केस की जांच ईडी ने शुरू की थी- प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी। यह जांच सीबीआई, नई दिल्ली द्वारा दर्ज की गई एक आईआर के आधार पर की गई थी। सीबीआई ने तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, पीसी गुप्ता और अन्य के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

विश्वस्वसनीयता स्वतः संदिग्ध

मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बात कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है।

मासिक स्टडिपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल (एमबीबीएस) इंटर्न्स पर भोपाल में वॉटर कैनन चलाया गया। पांच साल की मंहंगी पढ़ाई करने और अनियमित घंटों तक काम करने के बाद इन डॉक्टरों को हर महीने फिलहाल 14,337 की वृत्ति मिलती है। इस रकम पर युवा डॉक्टर किस तरह गुजारा चलाते होंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है। स्टडिपेंड को 30 हजार रुपये करने की मांग को लेकर भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इंटरन मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे, तब पानी की बौछार कर उन्हें तितर-बितर कर दिया गया। इस घटना के विरोध में राज्य के कई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में ओपीडी सहित अन्य सेवाएं प्रभावित हुईं।

उधर हरियाणा में करीब 12,000 अतिथि अध्यापक ढाई महीने से भी अधिक समय से कुरुक्षेत्र स्थित सचिवालय के बाहर मोर्चा लगाए हुए हैं। ये शिक्षक त्रमिक भूख हड़ताल पर हैं। मुख्यमंत्री आवास के घेराव के साथ-साथ विधायकों को ज़ापन सौंप चुके हैं। यानी जिन शिक्षकों को क्लास में मौजूद रह कर बच्चों का शिक्षण करना चाहिए, वे प्रतिरोध के अलग-अलग माध्यमों से अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें से अनेक शिक्षक 20 साल से ज्यादा समय से अतिथि रूप में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिन्हें नियमित शिक्षकों की तुलना में लगभग एक तिहाई पारिश्रमिक मिलता है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने नियमित किए जाने की उनकी मांग को जायज माना। लेकिन सरकार इसे टालती चली गई है।ये दोनों आंदोलन देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के मौजूदा हाल की मिसाल हैं। वे वो अहम क्षेत्र हैं, जिन्हें किसी समाज के विकास की बुनियाद समझा जाता है। मगर आज हाल यह है कि सरकारों के पास बजट ना होने का तर्क है। इसलिए ऐसे तमाम महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कामचलाऊ ढंग से चलाने की रस्म-अदायगी सामान्य बात हो गई है। मुद्दा है कि बजट क्यों नहीं है? क्या इसके लिए खुद सरकारी नीतियां जिम्मेदार नहीं हैं? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बातें कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है।

चितन-मनन

जीवन में विचार की आवश्यकता

कुटिल एवं असत्य विचार से मुक्ति का सरल उपाय सुविचार की भावना दृढ़ करना है। शांतिदायक सुविचार की गंगा प्रवाहित करने पर ही हम मानसिक दुर्बलता से मुक्त हो सकते हैं। प्रत्येक विचार अंतःकरण में एक मानसिक मार्ग का निर्माण करता है। हमारी समस्त आदतें ऐसे ही मानसिक मार्ग हैं, जो लगातार एक ही प्रकार के चिंतन मनन से विनिर्मित हुए हैं। तुम मनः प्रदेश में उत्तम रचनात्मक विचार ही प्रवेश करने दो। उल्टूक विचारों को ही मन मस्तिष्क पर अंकित करो। जो प्रेम, ईश्वर , नीति के विरोधी विचार हों, उन्हें निकाल फेंको। जब तुम्हारे विचारों का केन्द्र भगवान, अल्लाह, ईश्वर होंगे, तो सुनिश्चित दिशाओं में ही हृदय का विकास होगा। संसार के महापुरुषों ने जो अद्भुत कार्य किये हैं, विचार कला मर्मज्ञ के लिए उन कार्य का संपादन कदापि दुष्कर नहीं है। विचार करो कि तुम किस तत्त्व में, किस बात में, किस दशा में पिछड़ रहे हो? तुम्हारे मार्ग में कौन-कौन बाधाएं हैं? तुम गीली मिट्टी के नष्ट हो जाने वाले पुतले के सदृश, केवल देह नहीं हो। तुम अमर आत्मा हो। तुम सत्य, स्वतंत्र, शिव, कल्याण, बलवान, आनंदमय, निरदोष, स्वच्छ और पवित्र हो। तुम्हें ज्ञात होना चाहिए कि शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही धर्म है। परमेर इस शक्ति का पुंज है। तुम परमेर के राजकुमार हो। अतएव तुम्हारी पैतृक सम्पत्ति शक्ति ही है। शक्ति तुम्हारे अंतर तथा बाह्य अंगों में पूर्णतः व्याप्त है। तुम्हारे रोम-रोम में संचार कर रही है। तुम्हारे नेत्रों में उसी शक्ति का प्रकाश है। अनंत शक्ति का विशाल समुद्र तुम्हारे पीछे है। निर्वलता, निराशा, भय तथा चिंता के संशयदायक विचार हृदय मंदिर से निकाल शक्ति के विचारों में लीन हो जाओ। परमेर ने सबको समान शक्तियां प्रदान की हैं। ईश्वर , अल्लाह के यहां अन्याय नहीं है। कितनी ही शक्तियों से कार्य न लेकर तुम उन्हें पृष्ठित कर डालते हो। अन्य व्यक्ति उसी शक्ति की किसी विशेष दिशा में मोड़कर उसे अधिक परिपुष्ट एवं विकसित कर लेते हैं। अपनी शक्तियों को जाग्रत, विकसित कर लेना या शिथिल पंगु बना लेना स्वयं के हाथ में है। यदि तुम मन की गुप्त महान सामर्थ्यरे को जाग्रत कर लो और लक्ष्य की ओर प्रयत्न और उत्साहपूर्वक अग्रसर होना सीख लो तो जैसा चाहो आत्म निर्माण कर सकते हो। मनुष्य के मन में जिन महत्वाकांक्षाओं का उदय होता है और जो-जो आशापूर्ण तरंग उदित होती हैं, वे अश्वय पूर्ण हो सकती हैं, यदि वह दृढ़ निश्चय द्वारा अपनी प्रतिभा जगा लें।

यूपी में धनराज नाथवानी से क्या अखिलेश एक तीर दो निशाना साध रहे हैं ?



सौरभ वर्णाय

तथा अखिलेश की राजनीति में मुलायम वाला बदलाव लौट रहा है ?

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए धनराज परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाकर पूरे देश में एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सपा पार्टी ने वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव के साथ नाथवानी का नाम घोषित किया। रामगोपाल यादव सपा के पुराने और स्थापित राजनीतिक चेहरे हैं, जबकि धनराज नाथवानी की पहचान मुख्यतः व्यावसायिक घराने से जुड़ी रही है। यही अंतर इस फैसले को अलग बनाता है। वहीं राजनीतिक इसे योगी के लिए भी कुछ संकेत बता रहे हैं।

ज्ञात रहे कि धनराज नाथवानी रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़े हैं और गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। उनका सार्वजनिक जीवन पारंपरिक समाजवादी राजनीति से अलग रहा है। इससे भी अधिक दिलचस्प तथ्य यह है कि उनके पिता परिमल नाथवानी स्वयं राज्यसभा के सदस्य हैं और जून 2026 में झारखंड से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में फिर राज्यसभा पहुंचे हैं। पिता एक खेमे के समर्थन से राज्यसभा में हों और पुत्र सपा के उम्मीदवार

बनें, तो सवाल उठना लाजिमी है ? सवाल है कि क्या अखिलेश यादव का यह फैसला केवल राजनीतिक रणनीति है या इसके पीछे सत्ता के विभिन्न केंद्रों के बीच कोई संवाद भी है? क्या इसे केंद्र सरकार से समझौते का संकेत माना जाए? उपलब्ध सार्वजनिक सूचनाओं के आधार पर ऐसी किसी गुप्त राजनीतिक डील का प्रमाण सामने नहीं आया है। इसलिए इसे समझौते का परिणाम बताना अभी अटकल होगी। लेकिन राजनीति में प्रतीक महत्वपूर्ण होते हैं और नाथवानी की उम्मीदवारी ऐसा ही प्रतीक बन गई है। नाथवानी परिवार की पृष्ठभूमि इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाती है। परिमल नाथवानी लंबे समय से रिलायंस समूह से जुड़े रहे हैं और अलग-अलग राजनीतिक परिस्थितियों में राज्यसभा तक पहुंचे हैं। वर्तमान में उनका रास में प्रवेश राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के समर्थन से हुआ। दूसरी ओर उनके पुत्र को अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के लिए चुना है। यह घटनाक्रम बताता है कि राजनीतिक संबंध हमेशा पारिवारिक या कारोबारी संबंधों के साथ नहीं चलते। ऐसे उदाहरण पहले भी रहे हैं, लेकिन वर्तमान परिस्थितियां इसे महत्व देती हैं। यहीं से योगी आदिन्याथ और भारतीय जनता पार्टी के लिए इस फैसले के संभावित राजनीतिक संकेत को समझने की कोशिश की जा सकती है। इसे समझौते का प्रमाण मानना उचित नहीं, लेकिन यह जरूर देखा जा सकता है कि समाजवादी पार्टी अपनी पहुंच को पारंपरिक सामाजिक आधार से आगे बढ़ाना चाहती है। उद्योग, निवेश, रोजगार, कारोबारी जगत और राष्ट्रीय स्तर के प्रभावशाली समूहों से संवाद बढ़ाना किसी भी दल की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। यदि सपा आर्थिक विकास को सामाजिक न्याय की राजनीति से जोड़ती है, तो नाथवानी की उम्मीदवारी उस दिशा का संकेत हो सकती है।

यहां अखिलेश की तुलना उनके पिता स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव से करना स्वाभाविक है। मुलायम सिंह यादव वैचारिक पहचान बनाए रखते हुए अलग-अलग सामाजिक और राजनीतिक समूहों से संवाद करते थे। उन्होंने परंपरागत समर्थक वर्ग से आगे व्यापक राजनीतिक समीकरण बनाने की कोशिश की। विभिन्न सामाजिक समूहों और दलों से संवाद उनकी राजनीति की पहचान रहा। सवाल यह है कि क्या अखिलेश भी उसी व्यावहारिक शैली की ओर लौट रहे हैं? अखिलेश की राजनीति में पिछले वर्षों में पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीपीए सामाजिक समीकरण प्रमुख रहा है। ऐसे में रिलायंस से जुड़े को राज्यसभा भेजना अलग संदेश देता है। विपक्षी दलों ने इसी अंतर को मुद्दा बनाया है। बसपा प्रमुख मायावती ने नाथवानी और रामगोपाल यादव के चयन को सपा के पीपीए दावे से जोड़कर सवाल उठाए। सपा का तर्क है कि समाजवाद का उद्देश्य रोजगार, विकास और समृद्धि है तथा इसके लिए उद्योग और निवेश आवश्यक हैं। यही बहस नाथवानी की उम्मीदवारी का वास्तविक राजनीतिक अर्थ हो सकती है। क्या सपा सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास और निवेश को भी केंद्रीय संदेश बनाएगी? उद्योग जगत से संवाद बढ़ाने का अर्थ यह जरूरी नहीं कि सपा अपनी वैचारिक पहचान खोड़ रही है। यह सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास को साथ रखने का प्रयास भी हो सकता है। इस फैसले का दूसरा पहलू 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। राज्यसभा चुनाव दलों की संगठनात्मक ताकत, विधायकों की निष्ठा और संभावित गठजोड़ का परीक्षण भी बनते हैं। उत्तर प्रदेश की दस सीटों के चुनाव में सपा के सामने सीमित सुनिश्चित सीटें हैं, जबकि दसवीं सीट को लेकर पार्टी-विरोधी मतदान की चर्चा है। ऐसे माहौल में नाथवानी का चयन व्यापक

राजनीतिक संदेश भी हो सकता है। योगी के लिए संकेत इसी संदर्भ में समझना होगा। यदि सपा उद्योग और निवेश के मुद्दे पर भाजपा की भाषा को चुनौती देने लगे, तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में विकास की प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। भाजपा को विपक्ष के सामाजिक आधार के साथ उसके आर्थिक विस्तार पर ध्यान देना पड़ेगा। यदि यह रणनीति आगे बढ़ती है तो 2027 में निवेश, रोजगार, उद्योग और विकास विषय के विमर्श में अधिक प्रमुख हो सकते हैं। हालांकि यह अभी संभावना है, तथ्य नहीं। यह कहना भी जल्दबाजी होगी कि अखिलेश केंद्र सरकार के साथ किसी गुप्त समझौते की राह पर हैं। पारिवारिक संबंध, कारोबारी संपर्क या अलग-अलग दलों का समर्थन अपने आप में समझौते का प्रमाण नहीं होते। किसी निष्कर्ष के लिए प्रत्यक्ष दस्तावेज या विश्वसनीय प्रमाण आवश्यक होंगे। फिलहाल ऐसा प्रमाण उपलब्ध नहीं है। फिर भी नाथवानी की उम्मीदवारी को नजरअंदाज करना कठिन है। यह बदलती राजनीति की ओर इशारा करती है जिसमें दल नए सामाजिक और आर्थिक समूहों तक पहुंच बनाते हैं। अखिलेश के सामने चुनौती इस विस्तार की अपनी मूल पहचान से जोड़? की होगी। इसलिए धनराज नाथवानी की उम्मीदवारी को न तो केवल केंद्र से किसी गुप्त डील का परिणाम मानना चाहिए और न ही इसे साधारण टिकट वितरण समझकर छोड़ देना चाहिए। यह अखिलेश यादव की राजनीति में संभावित विस्तार का संकेत है। मुलायम की तरह व्यापक संवाद की दिशा में यह कदम है या नहीं, समय बताएगा। लेकिन सपा सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास, उद्योग और राष्ट्रीय संपर्कों की भाषा को भी अपने राजनीतिक प्रयोग में शामिल कर रही है। यही बदलाव 2027 की राजनीति में इस फैसले को महत्वपूर्ण बना सकता है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव



नीरज कुमार दुबे

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए 'बहुत अच्छे विचार' हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है।

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है।



उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है। यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया। देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि 'यह युद्ध का युग नहीं है।' जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान

उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने 'अनंत युद्ध' से 'युद्ध की समाप्ति' की दिशा में बढ़ने की बात कही थी। यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सांमरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो नई दिल्ली के पास संवाद के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों के लिए उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यास के अंतिम चरण की निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर

शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उतरे। चीन, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा। इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मास्को युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्धक क्षमता में बदल रहा है। इसलिए तस्वीर बेहद दिलचस्प है। एक तरफ रूस युद्ध के मैदान में अपनी सैन्य क्षमता, मानवरहित युद्ध प्रणाली और दूर तक मार करने वाली तकनीक का प्रदर्शन कर रहा है; दूसरी तरफ उसी रूस के राष्ट्रपति भारत के प्रधानमंत्री के युद्ध समाप्त करने वाले विचारों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर रहे हैं। यही भारत की कूटनीति की असली परीक्षा और संभावित ताकत दोनों हैं। लेकिन रास्ता आसान नहीं है। यूक्रेन में रूसी हमले जारी हैं, ऊर्जा ढांचा लगातार निशाने पर है और काला सागर में सुरक्षा तथा अनाज आपूर्ति का संकट बना हुआ है। हालांकि रिपोर्टों के अनुसार रूस और यूक्रेन दोनों एक-दूसरे के ऊर्जा तथा ईंधन ढांचे पर हमले कर रहे हैं। ऐसे माहौल में भारत की चुनौती केवल प्रस्ताव देने की नहीं, बल्कि प्रस्ताव को युद्धभूमि से वार्ताकक्ष तक पहुंचाने की है। यदि नई दिल्ली रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कायम रखते हुए ऊर्जा, कृषि, काला सागर और अंततः व्यापक युद्धविराम को एक ही ढांचे में जोड़ पाती है, तो यह केवल एक युद्ध को रोकने की कोशिश नहीं होगी, यह बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका का बड़ा प्रमाण बन सकता है। फिलहाल इतना जरूर स्पष्ट है कि मोदी की शांति पहल को अब केवल भारतीय दावा नहीं कहा जा सकता; यूक्रेन ने उसे व्यापक प्रस्ताव बताया है और पुतिन ने स्वयं उसके पीछे मोदी की लगातार कोशिशों को स्वीकार किया है।

पशु बचेंगे तो बचेगा प्रकृति का संतुलन और मानव का भविष्य

विश्व पशु कल्याण दिवस

योगेश कुमार गोयल

पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं।

जिनकी जुबां नहीं, उनकी संवेदनाएं तो समझें...

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को 'विश्व पशु कल्याण दिवस' मनाया जाता है। विश्व पशु दिवस पहली बार बर्लिन में 24 मार्च 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकीविदों के एक सम्मेलन में विश्व पशु दिवस की शुरुआत की गई और तब असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व के कारण यह दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को ही चुना गया। 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी 'नेचर वॉच फाउंडेशन' द्वारा लांच की गई थी। इस दिन पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन कर-के जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल, स्नेह और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है। पशुओं के अधिकारों के लिए यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है। पशु प्रेम के बारे में महात्मा गांधी कहते थे कि किसी राष्ट्र की महानता और उसकी नैतिक प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां जानवरों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर प्रकृति की पारिस्थितिकी को संतुलित रखते हुए हमारे पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मानकों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के



साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 'विश्व पशु कल्याण दिवस' की थीम है 'उनकी नजरों से दुनिया को देखें'। भारत में करीब 70 फीसद आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीबी से त्रस्त परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को 'पशुधन' कहा जाता है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में भी पशुधन की बड़ी भागीदारी रही है। मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में

विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। अनेक मामलों में देखा जाता है कि मानवीय स्वार्थ के लिए कई जानवरों की निर्मम हत्या कर दी जाती है। दरअसल इन पशुओं के विभिन्न अंग तथा उनके मल-मूत्र इत्यादि दवाईयों बनाने से लेकर खेतीबाड़ी तक में काम आते हैं और इनके कंकाल उर्वरक का काम करते हैं। हाथियों को हाथी दांत और गैंडे को उसके सींगों के लिए बेदरदी से मौत के घाट उतार दिया जाता है जबकि उनकी प्राकृतिक मौत होने पर ये चीजें वैसे ही मिल जानी होती हैं। हाथी और गैंडे कीचड़ में रहकर दूसरे जानवरों के पीने के

लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं और सूखा नहीं पड़ने देते। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं। इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं। वैसे तो सभी पशु-पक्षी मनुष्य के सहायक होते हैं लेकिन उनके व्यवहार को समझे बगैर यदि उनके रहने की जगहों को उजाड़ने के प्रयास किए जाते हैं तो वे हिसंक होकर विनाश कर सकते हैं। तुर्की के विख्यात नाटककार, उपन्यासकार और विचारक मेहमत मूरात इल्डन इतना कहना था कि दुनिया में वन्यजीवों की रक्षा केवल दयालु दिलों के प्यार से ही की जा सकती है। वाइल्ड हार्ट वाइल्ड लाइफ फाउंडेशन के संस्थापक पॉल ऑक्सटन कहते थे कि जब तक आपके भीतर प्रकृति के बीच रह रहे जंगली जीवों के प्रति ढेर सारा प्यार, दया और लगाव नहीं रहेगा, तब तक आप सच्चा सुख हासिल नहीं कर पाएंगे। मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। 'जैव विविधता के जनक' के नाम से विख्यात आधुनिक काल के डॉविन के जाने वाले हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीवविज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई रचना है। एक उल्टूक कृति है। वन्यजीव फोटोग्राफर, प्रकृतिवादी और 'जॉय ऑफ बीयर्स' सहित कुछ पुस्तकों की लेखिका सिल्विया डोल्सन कहती हैं कि हमारी ही तरह जानवर भी प्यार, खुशी, डर और दर्द महसूस करते हैं लेकिन वे बोले गए शब्द को समझ नहीं पाते, अतः यह हमारा दायित्व है कि हम उनकी ओर से बोले गए सुनिश्चित कर दें कि उनकी भलाई और जीवन का सम्मान एवं सुरक्षा हो। इसके लिए प्रकृति और पशुओं के साथ अपने संबंधों में मनुष्य को सभ्य बनाना आवश्यक है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खैर के पेड़ काटते दो आरोपी गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग के अंतर्गत वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत वन विभाग की टीम ने एआई कैमरों की मदद से खैर के पेड़ काटने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

वहीं, तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। वन विभाग ने आरोपियों के कब्जे से अवैध कटान में प्रयुक्त औजार और दो कारतूस भी बरामद किया है।

दो अक्टूबर की रात सोनानदी रेंज की कालागढ़ पश्चिमी बीट के नलकट्टा कक्ष संख्या-7 में वन आरक्षी दिनेश सिंह गुसाईं के नेतृत्व में वनकर्मियों की टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान कंजी सीमा के समीप पांच व्यक्ति खैर के हरे पेड़ का अवैध कटान करते हुए दिखाई दिए। वनकर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दो आरोपियों को पकड़ लिया, जबकि तीन अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलजीत



जंगल में काटे पेड़

सिंह पुत्र स्वर्गीय गुर्मेस सिंह और अजय पुत्र गोविंद सिंह, निवासी मधैया, पोस्ट हरिपुरा हरसान, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर के रूप में हुई है। वहीं, फरार आरोपियों की पहचान विशाल पुत्र रेशम सिंह निवासी रामपुर काजी, कालेखंडा, बाजपुर, ऊधमसिंह नगर तथा अंगेज सिंह पुत्र

हरेक सिंह और सज्जी सिंह पुत्र पलविंदर सिंह उर्फ कलेक्टर निवासी खदरी, तहसील नजीबाबाद, जिला बिजनौर, उत्तर प्रदेश के रूप में की गई है। वन विभाग की टीम ने मौके से एक आरा, एक कुल्हाड़ी, 12 बोर के दो कारतूस और एक ऑल्टो कार (यूके 20 वी 6135) बरामद कर जप्त कर ली।

आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिक्षा में भेज दिया गया है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है। कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग के उप वन संरक्षक तरूण एस ने बताया कि वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन क्षेत्रों में एआई और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से निगरानी की जा रही है। इन कैमरों की मदद से अवैध पातन और वन क्षेत्रों में अनधिकृत प्रवेश करने वालों की पहचान कर कार्रवाई करने में मदद मिल रही है। सोनानदी रेंज में भी कैमरों की सहायता से अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि प्रभाग की कड़ी सीमाओं से लगे वन क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है और कैमरों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वन विभाग ने अभियान में जुटे कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है।

लैसडौन की बेटी अंजली ने जीता मिस उत्तराखंड 2026 का खिताब



जयन्त प्रतिनिधि। लैसडौन : पर्यटन नगरी लैसडौन की बेटी अंजली असवाल ने मिस उत्तराखंड-2026 का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अंजली की इस उपलब्धि से लैसडौन में खुशी का माहौल है। अंजली असवाल की प्रारंभिक शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल लैसडौन में हुई। वर्ष 2020 में उन्होंने

अभ्युदय परिवार लैसडौन द्वारा आयोजित मिस लैसडौन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए पहली मिस लैसडौन का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिताओं के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाते हुए मिस उत्तराखंड-2026 का खिताब हासिल किया। अंजली की सफलता पर अभ्युदय परिवार लैसडौन की संस्थापक भावना वर्मा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि अंजली ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर लैसडौन के साथ-साथ अभ्युदय परिवार का नाम भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि अंजली की यह उपलब्धि क्षेत्र की युवतियों के लिए प्रेरणादायी है। अभ्युदय परिवार की ओर से आयोजित मिस लैसडौन प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। इसी मंच से अपनी यात्रा शुरू करने वाली अंजली असवाल का मिस उत्तराखंड-2026 का खिताब जीतना लैसडौन के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है।

विद्यार्थियों ने दिया वन्यजीव संरक्षण का संदेश



जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : वन एवं प्राकृतिक संसाधन विभाग द्वारा वन्यजीव सप्ताह 2026 के अवसर पर जैव विविधता एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आयोजकों ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है तथा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता विकसित करना इसके लिए महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को ज्ञान, रचनात्मकता और सहभागिता के

माध्यम से वन्यजीव संरक्षण का संदेश देने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम के संस्थापक डॉ. एल. एस. कंडारी ने स्वागत संबोधन में वन्यजीव एवं जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक एवं जिम्मेदार भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चौहान, प्रो. सुनीश कुमार ने विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया। इस मौके पर विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी एवं चर्चा का आयोजन किया गया। पोस्टरों के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए गए। वि्वज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिया उर्नयाल, द्वितीय स्थान ज्वति कुशवाहा तथा तृतीय स्थान कुलदीप धौडियाल ने प्राप्त किया। इस मौके पर वि्वज प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किय गया।

अधर में लटका सड़क का डामरीकरण, ग्रामीणों में रोष

श्रीनगर गढ़वाल : खिरसू ब्लॉक के कांडा गांव को वमधार-देवलगढ़ मुख्य मार्ग से जोड़ने के लिए करीब चार साल पहले बनी आधा किलोमीटर सड़क आज भी डामरीकरण की बाट जोह रही है। जिला योजना से निर्मित सड़क पर डामर न बिछने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण अजय, अरविंद और विपिन ने बताया कि सड़क के किनारे नाली का निर्माण भी नहीं किया गया है। सड़क के डामरीकरण को लेकर स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से भी मांग कर चुके हैं। इस सम्बन्ध में डा. रावत द्वारा भी लीगिनि को सड़क के डामरीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे, लेकिन डेढ़ माह बाद भी बाद भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाई है। जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

लीगिनि के अधिशासी अभियंता किशोर कुमार ने कहा कि सड़क डामरीकरण के लिये सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। (एजेंसी)

वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वन विभाग ने किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जंगल से सटे शास्टनगंज क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम को लेकर वन विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन्यजीवों के संरक्षण के साथ ही ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के माध्यम से वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया।

जंगल से सटे होने के कारण क्षेत्र में हाथी और गूलदर की आवाजाही बनी रहती है, जिससे ग्रामीणों में हमेशा खतरों की आशंका बनी रहती है। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने वन्यजीवों से होने वाले संभावित खतरों को देखते हुए क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग उठाई।



आयोजित बैठक में भाग लेते वन अधिकारी व स्थानीय लोग

ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों और अन्य वन्यजीवों की आबादी वाले क्षेत्र में आवाजाही रोकने के लिए पक्की सुरक्षा दीवार का निर्माण कराने की मांग की। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोगों, पार्षद जेपी ध्यानी, राजेश प्रकाश थपलियाल, संजय रावत, अजय बहुखंडी, गंगा

राम देवरानी, रतन सिंह भंडारी और श्रीमती अंजू नेगी सहित अन्य लोगों ने वन्यजीव संरक्षण और जनसुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर वन विभाग के रेंजर हरीश कुमार, वन दरोगा नेगी सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मो. दीपक के मुद्दे पर अनुकृति ने कांग्रेस पर उठाएं सवाल

श्रीनगर गढ़वाल : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुकृति गुसाईं ने कोटद्वार के हालिया प्रकरण को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतारों ने मामले में एक पक्ष के प्रति संवेदना दिखाई, लेकिन पीड़ित व्यापारी का हाल जानने कोई नेता नहीं पहुंचा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुकृति गुसाईं ने कहा कि कांग्रेस को स्पष्ट करना होगा कि वह उत्तराखंड के अंदर कौन सी राजनीति करना चाहती है, विकास या तृष्टिकरण की। कोटद्वार के हालिया प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति खुद को मोहम्मद दीपक बताता है, तो कांग्रेस नेता उसे दिल्ली बुलाकर गले लगाते हैं और ईसायितव्य की मिसाल बताते हैं। लेकिन आज जब वही व्यक्ति स्थानीय व्यापारी के साथ अभद्र व्यवहार करता है, तो कांग्रेस का कोई नेता उन पीड़ित व्यापारी का हाल जानने नहीं पहुंचता। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संवेदनशीलता व्यक्ति और वर्ग देखकर तय होती है। कहा कि भाजपा विकास, सेवा और सुशासन की राजनीति करती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उत्तराखंड के प्रति अपार आस्था है और राज्य में विकास कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। आगामी चुनावों का जिम्मेदार होने वाले दावा किया कि प्रदेश का युवा बेहद समझदार और जागरूक है। पार्टी कार्यकर्ता सभी 70 विधानसभा सीटों पर कमल खिलाकर उत्तराखंड में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की भाजपा सरकार बनाएंगे। उन्होंने श्राद्ध पक्ष में कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता व मुख्यामंत्री धामी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी की भी निंदा की। उन्होंने कहा श्राद्ध हमारी श्रद्धा का विषय है, उपहास का विषय नहीं है। चुनाव आयोग पर लापए जा रहे है आरोपों को लेकर उन्होंने कहा कि यदि आरोप है तो उसके तथ्य होने चाहिए। मतदाता सूची से नाम काटने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह प्रशासनिक प्रक्रिया है और चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है। शहूल गांधी द्वारा एनएसए अजीत डोभाल पर की गई टिप्पणी और पूर्व में दिवंगत जनरल विपिन रावत को लेकर कांग्रेस नेताओं के बयानों को राज्य की जनता कभी नहीं भूलेगी। (एजेंसी)

सीवर लाइन बिछाने की तैयारी शुरू, शासन को भेजी डीपीआर

श्रीनगर गढ़वाल : शहर के छूटे हुए क्षेत्रों को सीवर सुविधा से जोड़ने की योजना को तीन चरणों में आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले चरण में श्रीकोट से एजेंसी मोहल्ला, दूसरे चरण में एजेंसी मोहल्ला से श्रीचंद्र टापू और तीसरे चरण में उर्फल्ला तक सीवर लाइन बिछाई जाएगी। नगर पालिका से उच्चकृत होकर नगर निगम बनें श्रीनगर का अधिकांश क्षेत्र अभी भी सीवेज सुविधा से वंचित है। निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई, पैचजल निगम के परियोजना प्रबंधक रविंद्र सिंह गंगारी के अनुसार प्रथम चरण की योजना पर 128.71 करोड़ रुपये, दूसरे चरण पर 139.95 करोड़ रुपये और तीसरे चरण में करीब 34 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रथम चरण की सभी औपचारिकताएं पूरी कर डीपीआर शासन को भेज दी गई है। दूसरे और तीसरे चरण की डीपीआर को भी शीघ्र पूरा कर शासन को भेजा जाएगा। (एजेंसी)

डॉ. शिवचरण नौडियाल बनें भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तराखंड की प्रदेश कार्यकारिणी में डॉ. शिवचरण नौडियाल को विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। संस्कृत एवं गुरुकुल परंपरा से शिक्षा प्राप्त करने वाले डॉ. नौडियाल छत्र राजनीति, शिक्षा, संस्कृति और जनसेवा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। नई जिम्मेदारी मिलने पर संस्कृत, सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। डॉ. शिवचरण नौडियाल का सार्वजनिक जीवन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव के साथ शुरू हुआ। वर्ष 2010 में विद्यार्थी परिषद की सदस्यता ग्रहण करने के बाद उन्होंने छत्र एवं युवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई। वर्ष 2016 में वे उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के छत्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। छत्र राजनीति के दौरान उन्होंने संस्कृत, संस्कृति और विद्यार्थियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाई। संस्कृत और देवभूमि की लोक संस्कृति से गहरा जुड़ाव रखने वाले डॉ. नौडियाल विभिन्न सांस्कृतिक मंचों पर भी सक्रिय रहे हैं। गायन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में



रच के साथ उन्होंने संस्कृत, लोक परंपराओं और उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को युवाओं तक पहुंचाने के लिए कार्य किया है। शैक्षणिक क्षेत्र में भी उनका अनुभव रहा है। संस्कृत एवं योग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने एक निजी विश्वविद्यालय में योग के प्रोफेसर के रूप में सेवाएं दी। शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में उनकी सक्रियता छत्र जीवन से ही निरंतर बनी रही है। वर्ष 2025 में थलीसैंण विकासखंड के 29-टीला (पैठाणी) जिला

पंचायत क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित होने के बाद उन्होंने जनप्रतिनिधि के रूप में अपनी जिम्मेदारियां संभाली। इस दौरान उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और आपदा समेत क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर जनता के बीच सक्रियता बनाए रखी और संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष स्थानीय मुद्दे उठाए। संगठनात्मक स्तर पर भी डॉ. नौडियाल को भारतीय जनता पार्टी के जिला सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक का दायित्व सौंपा गया। अब भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त होने के बाद उनकी जिम्मेदारी प्रदेश स्तर पर बढ़ गई है। उनकी नियुक्ति को छत्र राजनीति, शैक्षणिक अनुभव, सांस्कृतिक गतिविधियां और जनप्रायश्चित्त के रूप में उनकी सक्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। नई जिम्मेदारी के तहत युवाओं एवं विद्यार्थियों के साथ संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी भूमिका रहेगी। इस मौके पर जितेंद्र नेगी, रजत भट्ट, मुकुल नेगी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रितिक नेगी सहित पार्षदगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

20 नवंबर को होगा बैकुंठ चतुर्दशी मेले का आगाज

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : गगवाड़स्यू घाटी के बलोड़ी गांव स्थित सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर में इस वर्ष क्वाली ग्राम पंचायत की ओर से शिव ध्वजा समर्पित की जाएगी। मंदिर समिति ने मेले के आयोजन को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। सिद्धपीठ मंदिर समिति के संयोजक जगत किशोर बड़ध्वाल ने क्वाली ग्राम पंचायत पहुंचकर ग्राम प्रधान कैलाश सुंदरियाल और ग्रामीणों को कच्ची शिव ध्वजा सौंपी। ग्रामीणों ने पंचायत को शिव ध्वजा समर्पित करने का अवसर मिलने पर खुशी जताई। इस वर्ष मंदिर में 11वीं शिव ध्वजा अर्पित की जाएगी। समिति संयोजक

बड़ध्वाल ने बताया कि वर्ष 2016 में गगवाड़स्यू घाटी के 34 गांवों के ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से बैकुंठ चतुर्दशी मेले की शुरुआत हुई थी। शिव ध्वजा चढ़ाने की परंपरा ने ग्रामीणों और प्रवासी ग्रामीणों को एक सूत्र में जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि 20 नवंबर को शिव ध्वजा चढ़ाने के साथ पांच दिवसीय बैकुंठ चतुर्दशी मेले का आगाज होगा। मेले का समापन 24 नवंबर को होगा। मंदिर समिति ने मेले की तैयारी तेज कर दी है। इस दौरान मुख्य पुजारी सुधीर चंद्र बड़ध्वाल, सचिव नॉरेंद्र जुगराण, पूर्व अध्यक्ष केशर सिंह कडैत और राजेंद्र सिंह राणा मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त हुए डॉ. जगदीश प्रसाद ध्यानी का सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :

कोटद्वार के प्रतिष्ठित किर्जीशियन डॉ. जगदीश प्रसाद ध्यानी के 29 वर्षों की राजकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर कोटद्वार महापौर शैलेंद्र रावत ने अपने कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान महापौर ने डॉ. ध्यानी को सम्मानित करते हुए उनके दीर्घकालीन सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया। महापौर शैलेंद्र रावत ने कहा कि डॉ. जगदीश प्रसाद ध्यानी ने चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देकर जनसेवा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है। उनके समर्पण और योगदान से समाज को लाभ



डा. जगदीश प्रसाद ध्यानी को सम्मानित करते नगर आयुक्त व महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

मिला है। उन्होंने डॉ. ध्यानी के सेवानिवृत्त जीवन के लिए स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय भविष्य की कामना की। महापौर ने कहा कि

जीवन के नए चरण में भी डॉ. ध्यानी का अनुभव और मार्गदर्शन समाज के लिए उपयोगी रहेगा। उन्होंने उनके उच्चल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की। सम्मान समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, जिला महामंत्री सुरेंद्र आर्य, नगर अध्यक्ष विकास मि्तल, सुखरौ मंडल अध्यक्ष प्रेमा खंतवाल, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली भाबर मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, नगर आयुक्त पी.एल. शाह, कोटद्वार विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र नेगी, रजत भट्ट, मुकुल नेगी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष रितिक नेगी सहित पार्षदगण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वन्य जीवों के संरक्षण के लिए जवानों ने लगाई दौड़

उत्तरकाशी /नौगांव। वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तहत गंगोत्री रेंज की ओर से भैरो घाटी में मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें सेना और आईटीबीपी के जवानों सहित वन विभाग के कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही गंगोत्री रेंज में एसडीओ रश्मी ध्यानी और रेंज अधिकारी यशवंत चौहान के नेतृत्व में भैरो घाटी और गंगोत्री नेशनल पार्क में रेंज अधिकारी प्रदीप बिट्ट व वन दरोगा के नेतृत्व में वनकर्मियों ने गंगोत्री में स्वच्छता अभियान चलाया। गंगोत्री रेंज के

तहत आयोजित मिनी मैराथन के पुरुष वर्ग में दो कुमाऊंरेजीमेंट के नवीन कोरंगा व 35 वाहिनी आईटीबीपी के देवाशीष कालसा और पाटिल पवन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में 35 वाहिनी आईटीबीपी की भाग्यश्री, आरती दत्त, आरती कुमारी ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। दूसरी ओर वन्य प्राणी सुरक्षा सप्ताह के तहत डुंडा वन रेंज की ओर से शनिवार को बाजार में जनजागरूकता रैली निकाली गई।

पंचायती राज संगठन ने शुरू किया ‘काम मांगो अभियान’



काम मांगों अभियान चलते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला कोटद्वार की ओर से ‘काम मांगो अभियान-मजदूर के अधिकार की लड़ाई, मनरेगा बचाओ

खुशहाली लाओ’ की शुरुआत की गई। अभियान का शुभारंभ जयहरीखाल ब्लॉक के ग्राम जहरी एवं मठली से किया गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने मनरेगा श्रमिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और रोजगार के अधिकारों

के प्रति जागरूक किया। ब्लॉक कमेटी जयहरीखाल के संचालन में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के जिला संयोजक रूपेंद्र सिंह नेगी ने किया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष संदेश नेगी, जिला कांग्रेस महामंत्री बिमल बिष्ट सहित संगठन के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अभियान के तहत ग्रामीणों और मनरेगा श्रमिकों को रोजगार की मांग दर्ज कराने की प्रक्रिया और उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। इस दौरान श्रमिकों ने फॉर्म-6 भरकर रोजगार की मांग प्रस्तुत की। संगठन के पदाधिकारियों ने श्रमिकों से उनकी मजदूरी, रोजगार की उपलब्धता और मनरेगा के क्रियाचक्रन से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। जिला संयोजक रूपेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि

‘काम मांगो अभियान’ का उद्देश्य गांव-गांव पहुंचकर मनरेगा श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर पर उठाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों को समय पर रोजगार उपलब्ध कराना और पात्र परिवारों तक मनरेगा के अधिकारों की जानकारी पहुंचाना जरूरी है। कार्यक्रम में महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज और श्रम की गरिमा से जुड़े विचारों को याद करते हुए ग्रामीणों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि रोजगार की आवश्यकता होने पर श्रमिक नियमानुसार अपनी मांग दर्ज कराएं, ताकि उन्हें सरकारी योजना के तहत मिलने वाले अधिकारों का लाभ मिल सके। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन जिला कोटद्वार ने बताया कि ‘काम मांगो अभियान’ को जिले के अन्य गांवों और क्षेत्रों तक भी पहुंचाया जाएगा। इसके माध्यम से मनरेगा श्रमिकों की समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों और अधिकारियों के समक्ष उठाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रो. जयपाल सिंह को किया सम्मानित



जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भारतीय दलित साहित्य अकादमी के उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रो. जयपाल सिंह को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री खजान दास सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री द्वारा प्रो. जयपाल सिंह को सम्मानित किए

सामाजिक एवं साहित्यिक योगदान लंबे समय से समाज के लिए प्रेरणादायी रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें सम्मानित किया जाना अकादमी और उनके साथ जुड़े लोगों के लिए गौरव का विषय है। इस अवसर पर अकादमी के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी, एडवोकेट जानी मैसी उर्फ जीवन कुमार, अनुज चौधरी, मन्वर लाल भारती, मनोज सिंह, गीता सिंह ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रो. जयपाल सिंह को बधाई दी।

सिरोहबगड़ में स्थायी समाधान के काम के बीच यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें



रुद्रप्रयाग। केदारनाथ-बदरीनाथ यात्रा के प्रमुख मार्ग पर सिरोहबगड़ पहुंचते ही यात्रियों की मुश्किलें बढ़ रही हैं। हर साल सिरोहबगड़ भूस्खलन क्षेत्र यात्रियों और स्थानीय लोगों के लिए चुनौती बना है, अब यहां भूस्खलन क्षेत्र के स्थायी समाधान के लिए चल रहे कार्यों के कारण वन-वे व्यवस्था लागू है। वाहनों को रोक-रोककर निकाले जाने से दोनों ओर

लंबी कतारें लग रही हैं और यात्रियों को घंटों जाम में फंसा पड़ता है। यात्रा सीजन में वाहनों के बढ़ते दबाव के बीच यह स्थिति यातायात समस्या का रूप ले रही है। सुरक्षा के लिहाज से वन-वे व्यवस्था जरूरी है, लेकिन यात्रा सीजन में इसका सीधा असर यातायात पर पड़ रहा है। वाहनों की संख्या बढ़ते ही कुछ ही समय में लंबी कतार लग जाती है। जाम खुलने के बाद एक साथ वाहनों का दबाव बढ़ने से अगले हिस्से में भी यातायात धीमा पड़ जाता है।

घंटों जाम में फंस रहे यात्री

सिरोहबगड़ से गुजरने वाले यात्रियों के लिए सबसे बड़ी परेशानी जाम बन रहा है। चारधाम यात्रा पर आने वाले वाहनों के साथ स्थानीय वाहन भी इसी मार्ग से गुजरते हैं। वन-वे व्यवस्था के कारण वाहनों को लंबे समय तक रुकना पड़ रहा है। यात्रियों की परेशानी इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि सिरोहबगड़ से आगे पहाड़ी मार्ग शुरू होता है और कई स्थानों पर यातायात को नियंत्रित करना पड़ता है।

कोटद्वार के चार एनएसएस स्वयं सेवकों का राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के लिए चयन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार क्षेत्र के लिए यह गौरव का विषय है कि चार एनएसएस स्वयं सेवकों का चयन 25 से 31 अक्टूबर 2026 तक राष्ट्रीय युवा केंद्र, गढ़पुरी, हरियाणा में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के लिए हुआ है। यह शिविर युवा फोर माई भारत एवं युवा फोर डिजीटल लिटरेसी थीम पर आयोजित किया जा रहा है। स्वयं सेवकों के चयन से विद्यालयों एवं कोटद्वार क्षेत्र में खुशी का माहौल है। राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में प्रतिभाग करने वाले स्वयं सेवकों में कुनाल बिष्ट एवं प्रियांशी बिष्ट डेफोडिल पब्लिक स्कूल, कोटद्वार, मेहफूज एसजीआरआर, कोटद्वार एवं कुमकुम रावत सरस्वती विद्या मंदिर, जानकी नगर, कोटद्वार शामिल हैं। ये सभी स्वयंसेवक शिविर में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी एवं उत्तराखंड टीम के प्रभारी शंकर बहादुर ने बताया कि स्वयं सेवकों का चयन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित



मानदंडों के अनुसार किया गया है। चयन प्रक्रिया में माई भारत पोर्टल एप पर स्वयं सेवक का पंजीकरण एक महत्वपूर्ण अनिवार्य मानदंड था। इसके अतिरिक्त स्वयं सेवकों की एनएसएस गतिविधियों में सहभागिता, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक कार्यों में योगदान तथा राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने की योग्यता को भी ध्यान में रखा गया। शंकर बहादुर ने राष्ट्रीय

एकीकरण शिविर के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शिविर का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों के युवाओं को एक मंच पर लाकर उनमें राष्ट्रीय एकता, भाईचारा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करना है। शिविर में विभिन्न राज्यों से आए एनएसएस स्वयं सेवक अपनी-अपनी संस्कृति, परंपराओं

एवं उपलब्धियों को साझा करते हुए एक-दूसरे को समझने का अवसर प्राप्त मिलता है। साथ ही विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियों के माध्यम से युवाओं के व्यक्तित्व विकास पर भी बल दिया जाता है। स्वयं सेवकों के चयन पर डॉ. सुनेना रावत राज्य एनएसएस अधिकारी, प्रमोद कुमार बिष्ट अपर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, गढ़वाल मंडल पौड़ी, पुष्कर सिंह नेगी मंडलीय कार्यक्रम समन्वयक गढ़वाल मंडल ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर के इस शिविर में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करना स्वयं सेवकों के लिए गौरव की बात है। यह उपलब्धि अन्य युवाओं को भी एनएसएस एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करेगी।

एक नजर

डुंडा शिविर में लाखों की सहायता राशि के चेक वितरित

उत्तरकाशी। डुंडा में आयोजित बहुउद्देशीय एवं स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाखों रुपये की सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। एनआरएलएम के तहत धनेश्वर सहकारिता को नौ लाख रुपये, रेणुका, प्रगति और थाती माता स्वयं सहायता समूहों को 75-75 हजार रुपये की सहायता दी गई। शेष परियोजना के तहत बकरी पालन, बागवानी और सब्जी उत्पादन के लिए लाभार्थियों को 30 से 90 हजार रुपये तक के चेक दिए गए। उद्यान विभाग ने एप्ल्स मिशन/कागवानी के तहत गणेश प्रसाद और विजय को 6.33 लाख तथा सुग्रीव सिंह को 1.66 लाख की सहायता दी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को विकासखंड परिसर डुंडा में आयोजित शिविर में 780 लोगों ने प्रतिभाग किया जबकि 318 लोग विभिन्न योजनाओं और सेवाओं से लाभान्वित हुए। शिविर में 18 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 14 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने 86 लोगों का परीक्षण कर छह दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाए और निशुल्क दवाएं वितरित कीं। आबुवेंद विभाग ने 93 लोगों की जांच की। महिला एवं बाल विकास विभाग ने चार बच्चों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की। शिविर में दर्जाधारी श्याम डोभाल, ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार और मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह मौजूद रहे।

बाल विज्ञान महोत्सव में पहुंचे 240 बाल वैज्ञानिक

उत्तरकाशी। कीर्ति इंटर कॉलेज में आयोजित पंचम सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव में जिलेभर के बाल वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया। विज्ञान किछ के सीनियर वर्ग में कार्तिक राणा और जूनियर वर्ग में जनक ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, विज्ञान ड्रामा के सीनियर वर्ग में जीआईसी सरनील और जूनियर वर्ग में जीआईसी कंवा अठाली की टीम ने बाजी मारी। महोत्सव में मोरी, पुरेला, नौगांव, चिन्वालीसीड, डुंडा और भटवाड़ी विकासखंडों के 240 बाल वैज्ञानिकों और 50 विज्ञान एवं गणित मार्गदर्शक शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जूनियर वर्ग के विज्ञान कविता प्रतियोगिता में अमित, प्रीति और राशि ने त्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। साईंस पोथेम में जीविका प्रथम, आरेही द्वितीय और मन्नत चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान मॉडल में मीणा, आनुष नौटियाल, अमृता ने त्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान किछ में जनक, ओम नेगी और युवराज पवार ने त्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, विज्ञान ड्रामा में जीआईसी कंवा अठाली की टीम प्रथम, गांधी विद्या मंदिर की टीम द्वितीय और जीआईसी चिन्वालीसीड की टीम तृतीय रही। जबकि सीनियर वर्ग की विज्ञान कविता प्रतियोगिता में आरुषि प्रथम, कशिश द्वितीय और गुंजन तृतीय स्थान पर रही।

मिनी बैकों में जमा राशि और ऋण वितरण की सुरक्षा को ठोस नीति बनाएं

नरेंद्रनगर/कंडीसीड। साधन सहकारी समितियों के सचिव और कर्मचारियों ने नवगठित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (एम-पैक्स) का पंजीकरण निस्तृत करने, मिनी बैकों में जमा धनराशि और समितियों द्वारा वितरित ऋण की सुरक्षा के लिए ठोस नीति बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही शुरू नहीं की जाती है, तो पांच अक्टूबर से निबंधक कार्यालय देहरादून में अर्निश्चतकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

साधन सहकारी समिति सचिव-कर्मचारी संघ लंबे समय से अपनी पांच सूत्री मांग उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रदेश के सभी पैक्स सचिवों और कर्मचारियों को सहकारिता संवर्ग में शामिल करने, सभी पैक्स के डर सचिव एवं समिति कर्मचारियों को राज्य स्वास्थ्य योजना/गोल्डन कार्ड से जोड़ने, केडर फंड, वेतन, निवृत्ति, वेतन विसंगति और अन्य लंबित मांगों पर शीघ्र शासनादेश जारी करने की मांग की।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत स्वच्छता एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत शनिवार को शिशु मंदिर थलीसैंण में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान स्वच्छता एवं पर्यावरण विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जूट के बैग वितरित किए गए। साथ ही विद्यार्थियों को प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। जूट बैग के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ थलीसैंण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रमुख ललित मोहन मगराई एवं नगर पंचायत थलीसैंण के स्वच्छता एंसेसडर सत्येंद्र सेमवाल द्वारा विद्यार्थियों को स्वच्छता,



कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव एवं पर्यावरण संरक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। सामाजिक कार्यकर्ता आशा राम पोखरियाल ने

गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी के माध्यम से जन आंदोलन का रूप दिया जा सके।

धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, दूसरे चरण की यात्रा में बढ़ी भीड़



चमोली। बदरीनाथ धाम की दूसरे चरण की तीर्थयात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ रही है। एक ओर बंदरीनाथ की मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखने का अवसर जरूर मिला। उन्होंने कहा कि वर्फ से ढकी चोटियों और खूबसूरत बुग्यालों का दृश्य मन को सुकून देने वाला है।

मेरठ से बदरीनाथ धाम पहुंची एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि वह पिछले तीन दिनों से धाम में रुकी हुई थीं। भगवान बद्रीविशाल के दर्शन के लिए मंदिर परिसर तक पहुंची, लेकिन लंबी कतार होने के कारण दर्शन नहीं हो पाए। आखिरकार उन्हें बिना दर्शन किए ही वापस लौटना पड़ा।

महिला ने कहा कि भगवान के दर्शन का सौभाग्य नहीं मिल पाया, इसका उन्हें मलाल है, लेकिन बदरीनाथ की मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखने का अवसर जरूर मिला। उन्होंने कहा कि वर्फ से ढकी चोटियों और खूबसूरत बुग्यालों का दृश्य मन को सुकून देने वाला है।

यमुनोत्री हाईवे:भूस्खलन से छह घंटे ठप रही आवाजाही

नौगांव (उत्तरकाशी)। सारीगाड़ के पास यमुनोत्री हाईवे पर बिना बारिश के हुए भूस्खलन ने यात्रियों और स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दीं। बीते शुक्रवार को पहाड़ी से अचानक मलबा आने के कारण हाईवे करीब छह घंटे तक बंद रहा। मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और बड़ी संख्या में वाहन रातभर जाम में फंसे रहे। हाईवे रात करीब 12 बजे के बाद यातायात के लिए खोला गया लेकिन दोनों तरफ जमा वाहनों की लंबी कतार के कारण स्थिति सामान्य होने में कई घंटे लग गए। देहरादून-विकासनगर से नौगांव और बड़कोट पहुंचने वाली शाम छह बजे की सवारी बसें रात करीब ढाई से तीन बजे अपने गंतव्य तक पहुंच सकीं। इससे बसें में सवार यात्रियों के साथ चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं को भी रातभर परेशानी झेलनी पड़ी। शनिवार को भी सारीगाड़ के पास



पहाड़ी से रुक-रुककर मलबा गिरता रहा। इसके चलते हाईवे बार-बार बंद और खुलता रहा और दोनों ओर कई वाहन घंटों तक फंसे रहे। स्थानीय लोगों ने बताया कि सारीगाड़ के पास यह स्थान

पिछले दो माह से हाईवे पर लगातार परेशानी का कारण बना हुआ है। कई बार मार्ग बाधित होने के बावजूद स्थायी और सुरक्षित समाधान नहीं निकल पाया है। लगातार

जानकीचट्टी में सड़क पर बह रहा सीवेज

बड़कोट। यमुनोत्री धाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में स्मार्ट शौचालय के पिट टैंक की लीकेज ने स्वच्छता व्यवस्था की पोल खोल दी है। कई दिनों से सीवेरेज पाकिंग स्थल और पैदल आवागमन के रास्ते पर बह रहा है। यात्रा सीजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच सार्वजनिक स्थान पर फैली गंदगी और तेज दुर्गंध यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। पिट टैंक से निकल रहा गंध पानी लगातार पाकिंग क्षेत्र में फैलने के बाद पैदल रास्ते तक पहुंच रहा है। यात्रियों को इसी रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवेरेज की दुर्गंध आसपास के होटल और ढाबों तक पहुंच रही है

जिससे संचालकों और वहां ठहरने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। होटल व्यवसायी एवं स्थानीय निवासी अरविंद सिंह रावत ने कहा कि यात्रा सीजन में जानकीचट्टी में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे समय में खुले में सीवेरेज बहना गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि कई दिनों से शिकायत के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से स्थानीय कारोबारियों में नाराजगी है। संबंधित एजेंसी को तत्काल मौके पर पहुंचकर लीकेज बंद करनी चाहिए। लोगों ने कहा कि यमुनोत्री यात्रा मार्ग का प्रमुख पड़ाव होने के कारण जानकीचट्टी की स्वच्छता सीधे यात्रियों के अनुभव और क्षेत्र की छवि से जुड़ी है।



पर गाइड, पोटर, होमस्टे और घोड़ा-खच्चर संचालन जैसी गतिविधियों में रोजगार की संभावनाएं बन रही हैं। नौगांव ब्लॉक प्रमुख सरोज पंवार, क्षेत्र पंचायत सदस्य अमिता पंवार और डॉ. नरेश पंवार ने कहा कि गुलाबी कांठा को व्यवस्थित तरीके से विकसित करने की जरूरत है। इस संबंध में पर्यटन मंत्री और सचिव

के समक्ष क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग रखी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैक पर जरूरी सुविधाएं, सुरक्षित मार्ग और पर्यटक सेवाएं विकसित होने से गुलाबी कांठा की पहचान बढ़ेगी और इसका सीधा लाभ स्थानीय युवाओं व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल सकेगा।

बाल विज्ञान महोत्सव में दूरस्थ स्कूलों के बाल वैज्ञानिक चमके

गोपेश्वर। पांचवें सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव में चमोली के दूरस्थ क्षेत्रों के बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 40 बाल वैज्ञानिकों का चयन राज्य स्तर के लिए हुआ है। शनिवार को गोपेश्वर स्थित पीस पब्लिक स्कूल में जिला स्तरीय विज्ञान महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें जिले के नौ विकासखंडों से 360 बाल वैज्ञानिकों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एमपी नगवाल और नंदा देवी बायोस्फियर के वन संरक्षक पंकज कुमार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार की संभावनाओं के बारे में बताया। विज्ञान मॉडल के जूनियर वर्ग में आरव, समीर और पीयूष और सीनियर में कृष डोभाल, मयंक और आर्यन त्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। हिंदी कविता पाठ के जूनियर वर्ग में अदिति, आलोक और नितिन पालीवाल, सीनियर में रिद्धिमा, निधि नेगी और कशिश ने स्थान प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता पाठ में जूनियर वर्ग से अंश त्रिपाठी, अनिरुद्ध और करन सिंह और सीनियर में यशस्वीनी, स्तुति पुरेहित और अनुपमा शाह चर्चित हुए। विज्ञान प्रश्नोत्तरी के जूनियर वर्ग में रिया, सागर सिंह और प्रशांत सिंह और सीनियर में दीपाशु, संस्कृति और आशीष त्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे।

हरियाणा के युवाओं ने मुख्यमंत्री से साझा किए उत्तराखण्ड भ्रमण के अनुभव

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखण्ड के तीन दिवसीय भ्रमण पर आए हरियाणा के युवाओं ने भेंट की। युवाओं ने मुख्यमंत्री से अपने भ्रमण के अनुभव साझा करते हुए राज्य में कनेक्टिविटी, पर्यटन, होम-स्टे, सौर ऊर्जा, सीमांत क्षेत्रों के विकास तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हरियाणा के युवाओं ने कहा कि उत्तराखण्ड के शांत वातावरण और स्थानीय लोगों के आत्मीय व्यवहार ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। हरियाणा के युवाओं ने कहा कि तीन दिनों के भ्रमण के दौरान उन्हें उत्तर-खण्ड के विभिन्न क्षेत्रों को करीब से जानने और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से स्थानीय लोगों के जीवन में आ रहे बदलावों को समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अधिकांश भू-भाग पर्वतीय होने के बावजूद उत्तराखण्ड में सड़क एवं डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। रेलवे नेटवर्क



के विस्तार की दिशा में भी तेजी से कार्य हो रहा है। युवाओं ने उत्तराखण्ड के स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर वायु गुणवत्ता की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य में होम-स्टे के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों और सरकार द्वारा इसके लिए दी जा रही सहायता से स्थानीय लोगों को

स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। सीमांत क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास भी प्रभावी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं का स्वागत करते हुए कहा कि

हूअतिथि देवो भव:ह देवभूमि उत्तराखण्ड की संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। कहा कि इस प्रकार के अंतरराज्यीय भ्रमण युवाओं को देश की सांस्कृतिक विविधता, विभिन्न राज्यों में हो रहे नवाचारों तथा विकास को बेहतर कार्यप्रणालियों को समझने का अवसर देते हैं। इससे राज्यों के बीच विचारों और अनुभवों का आदान-प्रदान भी बढ़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड विकास और विरासत को साथ लेकर आगे बढ़ रहा है। राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के साथ ही महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, होम-स्टे, सौर ऊर्जा और सीमांत क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि तीन दिनों में उत्तराखण्ड में उन्होंने जो कुछ देखा, समझा और अनुभव किया है, उसे अपने मित्रों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि आप उत्तराखण्ड के डिजिटल ब्रांड एंबेसडर भी हैं।



ग्लेशियरों में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने को वैज्ञानिकों की टीम खाना

चमोली। नीती घाटी के ग्लेशियर और हिमखंड प्रभावित क्षेत्रों में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने के लिए बृहस्पतिवार को वैज्ञानिकों की टीम खाना हो गई। टीम प्रशासन से इनर लाइन की अनुमति लेने के बाद सीमांत क्षेत्र के लिए खाना हुई है। पिछले माह नेपाल में आई आपदा के बाद भारत में भी खतरा बने ग्लेशियरों और हिमखंडों को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है। इसी के तहत दुर्घटना संभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित किए जा रहे हैं। एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि वैज्ञानिकों का दल नीती घाटी में सिस्टम स्थापित करेगा। टीम के साथ अन्य विभागों के कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जीआईसी बड़कोट में लगाया शिविर

नई टिहरी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जाखणीधार ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज बड़कोट में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शनिवार को टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय और ब्लॉक प्रमुख राजेश नौटियाल ने शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने शिविर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। विधायक और ब्लॉक प्रमुख ने ग्रामीणों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं मिलती है। इस मौके पर

सीएमओ डॉ.राम प्रकाश, ज्येष्ठ प्रमुख त्रिलोक बिष्ट, जिला पंचायत सदस्य शकुंतला पंवार, बीडीओ रोशन लाल, एबीडीओ दिग्विजय सिंह, प्रधानाचार्य जयप्रकाश डबराल, एडीओ पंचायत के आर रतुड़ी, धनेश पालीवाल, जयवीर रांगड़ आदि मौजूद थे। दूसरी ओर जाखणीधार ब्लॉक में गर्डोलीया सेक्टर के आंगनबाड़ी केंद्र सैण में पोषण माह के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रधान पुष्पा देवी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान धार्त्री महिलाओं को महालक्ष्मी किर्त बांटी दी। कई लोगों के फार्म भरकर उन्हें अन्य योजनाओं के बारे में बताया गया। इस मौके पर पूर्व प्रधानाचार्य शकुंतला पुर्वील और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कुशला पुर्वील आदि मौजूद थे।

संस्कृत ज्ञान परीक्षा संपन्न 546 छात्र हुए शामिल

नरेंद्रनगर/ थल्यूड़। देव संस्कृति विवि और अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से आयोजित संस्कृत ज्ञान परीक्षा संपन्न हो गई। नरेंद्रनगर महाविद्यालय में आयोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में 46 छात्रों ने प्रतिभाग किया। परीक्षा के जिला संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार नौटियाल ने बताया कि 100 प्रश्नों की इस बहुविकल्पीय परीक्षा में भारतीय संस्कृति से जुड़े नैतिक मूल्यों से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। दोपहर 12 से एक बजे तक चली परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

मैडखाल—गैर नगुण मार्ग पर सफर हुआ जोखिम भरा

कंडीसौड़ (टिहरी)। शैलधार ब्लॉक में मैडखाल— गैर नगुण 14 किमी मोटर मार्ग लंबे समय से बंदहाल बना हुआ है। 12 साल पहले बनाई गई सड़क की देखरेख नहीं होने से ग्रामीणों को भय के साए में सफर करना पड़ रहा है। पीएमजीएसवाई ने डेंजर ज़ोन का बोर्ड लगाकर इतिश्री कर दी है। नाराज ग्रामीणों ने सड़क का शीघ्र सुधारीकरण—डामरीकरण करने की मांग की है। पीएमजीएसवाई ने मैडखाल—बंस्यूल—गैर नगुण मोटर मार्ग करीब 12 साल पहले बनाया था। उसके बाद से मार्ग को देखने वाला कोई नहीं है। जिससे सड़क पर जगह—जगह गड्ढे होने के साथ ही दीवार टूटी है। जिला पंचायत सदस्य सुनील जुवाल, कस्तल के प्रधान सुंदरलाल भट्ट, बंस्यूल की प्रधान आरती खंडूड़ी, मंजकोट की प्रधान शकुंतला सेमवाल, ल्वाणी की प्रधान मंजू पंवार,



नौगांव की प्रधान अशरफ़ी चौहान और भंडांकी के प्रधान अरविंद सेमवाल ने बताया कि सड़क की दशा बंदहाल हो रही है लेकिन कोई सुध लेने

वाला नहीं है। सड़क मौरियाणा में नगुण—भवान से देहरादून वाली रोड से जुड़ती है जिससे इस मार्ग पर वाहनों का काफी ज्यादा आवागमन रहता है। बावजूद पीएमजीएसवाई कोई ध्यान नहीं दे रहा है। शूरवीर सिंह और कीर्ति सिंह पंवार ने बताया कि भंडांकी और मलोगी के पास सड़क सबसे अधिक खराब है। वहां सड़क का काफी ज्यादा हिस्सा धंस चुका है। मैडखाल— गैर नगुण मोटर मार्ग जल्द ही लोनिवि को हस्तान्तरित किया जाना है। उसके बाद लोनिवि ही सड़क सुधारीकरण—डामरीकरण का इस्टीमेट तैयार कर शासन को भेजेगा।

संक्षिप्त समाचार कंपनी के खिलाफ नगुण में भूख हड़ताल पर बैठे ठेकेदार

कंडीसौड़ (टिहरी)। ऑल वेदर रोड में सड़क कटिंग और दीवार लगाने का भुगतान नहीं होने से परेशान स्थानीय पेटी ठेकेदार बलदेव सिंह कुमाई स्वर्ण जयंती कंपनी में बेमियादी अनशन पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि दो साल पहले उन्होंने कंपनी से काम लेकर ऑल वेदर रोड कटिंग और दीवार लगाने का कार्य किया था लेकिन कंपनी ने अभी तक उसका 14 लाख रुपये का भुगतान नहीं किया है। बताया कि कंपनी से भुगतान नहीं मिलने पर पेटी ठेकेदार ने छह दिन पहले कंपनी की जेसीबी को नगुण पुलिस चौकी में खड़ी कर चाबी पुलिस को सौंप दी थी। कंडीसौड़ थानाध्यक्ष को भी इसकी सूचना दे दी गई थी लेकिन दो—तीन दिन बाद कंपनी भुगतान किए बगैर पुलिस चौकी से जेसीबी लेकर चली गई। भुगतान के लिए कंपनी के चक्र काट रहे पेटी ठेकेदार बलदेव ने कहा कि कंपनी की कार्यप्रणाली से परेशान होकर उसे भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक कंपनी से उनका पूरा भुगतान नहीं हो जाता है, वह आमरण अनशन पर डटे रहेंगे। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है।

33 दिन से आंदोलन जारी मेडिकल कॉलेज का इंतजार

नई टिहरी। जिला मुख्यालय नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर 44 संगठनों से जुड़ी संयुक्त संघर्ष समिति का आंदोलन 33वें दिन भी जारी रहा। शनिवार को गणेश चौक बौराड़ी में देवेंद्र नौडियाल और अमित पंत क्रमिक अनशन पर बैठे। वहीं भाजपा नेता जीतराम भट्ट, कांग्रेस के जिला मीडिया प्रभारी लखवीर चौहान, समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल, राहुल बुटोला, जितेंद्र सिंह रावत और सभासद नवीन सेमवाल सत्याग्रह पर बैठे। धरना स्थल पर हुई बैठक में वक्ताओं ने सरकार से मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए शासनादेश जारी करने और जिला अस्पताल बौराड़ी को मेडिकल कॉलेज का बेस अस्पताल बनाने की मांग दोहराई। वक्ताओं ने कहा कि मेडिकल कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर 44 संगठनों का आंदोलन लगातार जारी है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

भूमि मिलने के बाद भी शुरू नहीं हुआ विद्युत सब स्टेशन का काम

टिहरी। टिहरी झील क्षेत्र में बढ़ती पर्यटन गतिविधियों और भविष्य में बढ़ने वाले विद्युत भार को देखते हुए विधायक किशोर उपाध्याय ने कोटीकालीनी में 33 केंवी विद्युत सब स्टेशन का कार्य जल्द शुरू करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया कि झील क्षेत्र में वर्तमान में चंबा विद्युत केंद्र से आपूर्ति की जा रही है जो अस्थिर बनी हुई है। जिला प्रशासन की ओर से विद्युत सब स्टेशन के लिए ऊर्जा निगम को भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। विधायक ने पत्र में बताया कि टिहरी झील क्षेत्र में रिंग रोड का कार्य तेजी से चल रहा है। आने वाले समय में झील क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अवस्थापना विकास के कार्य होने हैं। पर्यटकों के लिए होटल, रेस्टॉरेंट और सार्वजनिक उपयोग की अन्य सुविधाएं विकसित होने से इस क्षेत्र में विद्युत भार बढ़ना तय है। ऐसे में भविष्य की जरूरतों को देखते हुए विद्युत व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है।

तीर्थयात्रियों से मारपीट, तीन अज्ञात खच्चर चालकों पर प्राथमिकी दर्ज

फाटा। केदारनाथ पैदल मार्ग पर मुम्बई से आए तीर्थयात्रियों के साथ अभद्रता एवं मारपीट के मामले में कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस ने तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, बीते दिन महाराष्ट्र मुम्बई से केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आए मानजी वाघजी वाविया एवं उनके साथी भानजी दामजी पटेल जंगलचट्टी पैदल मार्ग से केदारनाथ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान खच्चर संचालन को लेकर उनकी तीन खच्चर चालकों से कहासुनी हो गई और खच्चर चालकों ने लाठी मारपीट कर उन्हें चोटिल कर दिया।

12 प्रतिष्ठान संचालकों पर कार्रवाई

देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के निर्देश पर बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन के प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच को लेकर दून पुलिस ने अभियान चलाया। थाना क्लेमेंट टाउन क्षेत्र में पुलिस एवं अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम ने पीजी, हॉस्टल और होटलों में चेकिंग अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों में निवासरत 178 बाहरी व्यक्तियों/किरायेदारों का सत्यापन किया। साथ ही पीजी, हॉस्टल और होटल संचालकों द्वारा अग्नि सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों का भी निरीक्षण किया गया।

12 प्रतिष्ठान संचालकों पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना
चेकिंग के दौरान किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराने एवं अनियमितता पाए जाने पर 12 प्रतिष्ठान स्वामियों के विरुद्ध पुलिस अधिनियम की धारा 83 के तहत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार इन मामलों में कुल 1,20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मीनाक्षी की मौत से स्वास्थ्य विभाग में मची खलबली



त्रिभुक्तेश। पहलवान से गर्दन की मालिश कराने के दौरान 21 वर्षीय मीनाक्षी की मौत की खबर से स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। सीएमओ डॉ. रश्मि पंत तत्काल



पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने प्रतिष्ठानों के संचालकों, प्रबंधकों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। उन्हें फायर उपकरणों के सही उपयोग और आपात स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि पीजी, हॉस्टल, होटल एवं अन्य प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा

मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बाहरी व्यक्तियों और किरायेदारों का समय से सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। दून पुलिस ने प्रतिष्ठान संचालकों से सुरक्षा मानकों का पालन करने और किसी भी तरह की लापरवाही से बचने की अपील की है।

उत्तराखंड में एसआईआर के बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

देहरादून। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर उत्तराखंड में 1 जुलाई 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (रकफ) अभियान के बाद शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। अंतिम सूची में प्रदेश के कुल 71,58,949 मतदाता शामिल हैं। इनमें 37,37,701 पुरुष, 34,21,036 महिला और 212 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। प्रदेश में एसआईआर अभियान की शुरुआत 8 जून 2026 को हुई थी। अभियान शुरू होने के समय राज्य की मतदाता सूची में 79,60,762 मतदाता दर्ज थे। गणना फार्म के वितरण एवं संकलन के बाद 14 जुलाई 2026 को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की गई, जिसमें 71,33,785 मतदाता शामिल थे।

दावे—आपत्तियों के बाद अंतिम सूची जारी
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 14 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक मतदाताओं को दावे



एवं आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया। इसके बाद 13 अगस्त से 28 सितंबर 2026 तक प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया गया। प्रक्रिया पूरी होने के बाद 3 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई। अंतिम सूची में दावे—आपत्तियों के निस्तारण के बाद 1,29,872 नए मतदाता जोड़े गए, जबकि 1,04,708 मतदाताओं के नाम नियमानुसार विलोपित किए गए। प्रदेश में

वर्तमान में कुल 12,543 मतदेय स्थल हैं। 18—19 वर्ष के 72,656 युवा मतदाता अंतिम मतदाता सूची में 18 से 19 वर्ष आयुवर्ग के 72,656 मतदाता शामिल हैं। वहीं 80 वर्ष से अधिक आयु के 1,22,892 मतदाता भी सूची में दर्ज हैं। छूटे हुए मतदाताओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद

भी जिन पात्र नागरिकों के नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके लिए नाम जुड़वाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। ऐसे पात्र व्यक्ति फॉर्म—6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन ऑनलाइन माध्यम से एक ठीर अस्स के जरिए तथा ऑफलाइन माध्यम से संबंधित बीएलओ के माध्यम से किया जा सकता है। इसके लिए प्रदेश में विशेष बुथ लेवल कैंप आयोजित किए जाएंगे। बीएलओ को घर—घर जाकर छूटे हुए पात्र मतदाताओं की जानकारी लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। **बीएलओ कैसे घर—घर सर्वे**
विशेष अभियान के तहत बीएलओ प्रो—एसआईआर मतदाता सूची का वर्तमान सूची से मिलान करेंगे। ऐसे मतदाताओं को चिह्नित किया जाएगा, जिनके नाम पहले की सूची में थे, लेकिन वर्तमान सूची में नहीं हैं।

को भी परेशानी उठानी पड़ी। इको पार्क समिति के मनोज उनीयाल, विजय राणा, कुलदीप नेगी, होटल व्यवसायी दीपक बेलवाल, मनोप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में पार्किंग की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनती है। अधिकांश लोग वाहन सही तरीके से खड़ा नहीं करते हैं। सड़क किनारे आड़े—तिरछे वाहन खड़े होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून के बाद पर्यटन गतिविधियां बढ़ने के साथ घनोल्टी और काणाताल में वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। ऐसे में पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर पहले से ध्यान देने की जरूरत है, ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जाम की समस्या से न जूझना पड़े।

वीकेंड पर जाम का वार, रेंगते रहे वाहन लगातार

त्रिभुक्तेश। लांग वीकेंड पर तीर्थनगरी में हाईवे और बाइपास मार्ग वाहनों से पट गए। नेपालीफार्म से नौराडू तक महज 20 किलोमीटर का सफर तय करने में करीब तीन घंटे लगे। हाईवे पर कारों की दो से तीन कतारें लगने से वाहन रेंग—रेंग कर चलते रहे। जाम में फंसी कई कारों की क्लच प्लेट फुंकने की बात भी सामने आई। वाहनों की भारी भीड़ के सामने यातायात पुलिस की व्यवस्थाएं भी वे असर नजर आईं। शुक्रवार तड़के से ही वाहनों की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दोपहर 12 बजे के बाद स्थिति और बिगड़ गई। श्यामपुर फाटक से श्यामपुर पुलिस चौकी और बाइपास पर इंद्रमणि बडोनी चौक तक दो कतारें लगी रहीं। श्यामपुर पुलिस चौकी से आईडीपीएल कैंनाल,

आईडीपीएल सिटी गेट, कोयलघाटी, पुपानी चुंगी, त्रिवेणीघाट चौक, चंद्रभागा पुल और खाराम्रोत पोडब्ल्यूडी तिराहे तक वाहनों की कतारें लगी रहीं। वहीं इंद्रमणि बडोनी चौक से भद्रकाली पुलिस चौकी, ब्रह्मानंद मोड़, खाराम्रोत ठेका और तपोवन तक भी वाहनों का दबाव बना रहा। हाईवे से आने वाले वाहनों की यातायात पुलिस मुनि की रेती की ओर से पीडब्ल्यूडी तिराहे से ब्रह्मानंद मोड़ की तरफ डायवर्ट किया गया लेकिन भद्रकाली से आने वाले वाहनों के दबाव के चलते स्थिति नहीं संभल पाई। तपोवन के होटलों में ठहरे पर्यटकों के वाहनों को शिवानंद आश्रम गेट, रामझूला, मधुवन आश्रम और चंद्रभागा पुल होते हुए आईएसबीटी भेजा गया।

को भी परेशानी उठानी पड़ी। इको पार्क समिति के मनोज उनीयाल, विजय राणा, कुलदीप नेगी, होटल व्यवसायी दीपक बेलवाल, मनोप सिंह ने बताया कि क्षेत्र में पार्किंग की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनती है। अधिकांश लोग वाहन सही तरीके से खड़ा नहीं करते हैं। सड़क किनारे आड़े—तिरछे वाहन खड़े होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मानसून के बाद पर्यटन गतिविधियां बढ़ने के साथ घनोल्टी और काणाताल में वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। ऐसे में पार्किंग और यातायात व्यवस्था पर पहले से ध्यान देने की जरूरत है, ताकि पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जाम की समस्या से न जूझना पड़े।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनीयाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनीयाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त

समाचार

पाकिस्तान में ट्रम्प के बेटों की कंपनी ड्रोन यूनिट लगाएगी :3 साइट्स चुनीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से जुड़ी पॉवरस कंपनी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन यूनिट लगाने जा रही है। एरिक ट्रम्प और डोनाल्ड ट्रम्प जुनियर की कंपनी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मरी में सीक्रेट मीटिंग की है। पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन के लिए हरीपुर, रावलपिंडी और तक्षिला में तीन संभावित मिलिट्री साइट्स चुनी गई हैं। यहां आत्मघाती ड्रोन बनाए जाएंगे। 16 सितंबर को मुनीर और पॉवरस के बीच ड्रोन आयात का एमओयू हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, प्रोडक्शन में पाक आर्मी की इंडस्ट्रियल यूनिट भी शामिल होगी। यूनिट की साइट फाइनल करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी 15 अक्टूबर के बाद अमेरिका जाएंगे। पाकिस्तान फिलहाल चीन और तुर्किये से ड्रोन खरीद रहा है। तुर्किये ने भी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन का करार किया है। पाकिस्तान को अमेरिका से मिलने वाले कई हथियार आईएसआई से होकर आतंकियों के पास पहुंच जाते हैं। कश्मीर में ऐसे कई केस हैं जब यूपएस मेड हथियार आतंकियों के पास मिले हैं। ये ड्रोन हमारी अंदरूनी सुरक्षा को चुनौती होंगे। पहले पाकिस्तान को अमेरिका से ड्रोन आयात करने थे। अब वहीं प्रोडक्शन होगा। जवाह- ट्रम्प के बेटों की कंपनी इन्हें पाक के जरिए एशिया और अफ्रीका के उन देशों को भी बेच सकेगी जिन्हें अमेरिका सीधे हथियार नहीं देता है। चीन का पाक में सीपैक के रूप में बड़ा निवेश है। सीपैक बेहद अहम है, पर इसका फायदा चीन नहीं मिल रहा है। बलूचिस्तान-खबर में चीन खलन नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मुनीर के कहने पर चीन ने पाक को इस डील की मंजूरी दी।

डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी नहीं मिलेगा शांति का नोबेल?

वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिलेगा. इसकी बड़ी वजह अमेरिका का ईरान के साथ युद्ध छेड़ना है. इस युद्ध के कारण लाखों लोग प्रभावित हुए हैं. वहीं नोबेल पुरस्कार नईस खबर में चीन खलन नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मुनीर के कहने पर चीन ने पाक को इस डील की मंजूरी दी।

मेक्सिको के प्रशांत तट के पास तूफान रैचल श्रेणी 3 में पहुंचा, कई राज्यों में नुकसान की आशंका

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, तूफान रैचल मेक्सिको के प्रशांत तट के पास श्रेणी 3 के तूफान में बदल गया है। यह तूफान बाजा कैलिफोर्निया के दक्षिणी छोर से करीब 245 मील यानी 390 किलोमीटर दूर है। रैचल धीरे-धीरे पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है और अगले दिन तक इसके और मजबूत होने की संभावना है। इसके बाद सप्ताहांत में इसके कमजोर पड़ने का अनुमान है। राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने चेतावनी दी है कि रैचल से उठने वाली ऊंची समुद्री लहरें मेक्सिको के तट पर जानलेवा सर्फ और तेज समुद्री धाराएं पैदा कर सकती हैं। अनुमान था कि रैचल मेक्सिको के तट के समानांतर आगे बढ़ेगा और इसके बाद प्रशांत महासागर में पश्चिम दिशा की ओर मुड़ जाएगा। मेक्सिको के अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी अलर्ट पर हैं। बाजा कैलिफोर्निया सुर, सिनालोआ और जलिको राज्यों में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। इसके कारण भूस्खलन, नदियों का जलस्तर बढ़ने, नदियों के उफान पर आने और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा है।

अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षा में चूक मामले में ब्रिटिश-ईरानी नागरिक गिरफ्तार, आतंकवादी साजिश का शक

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड में अमेरिका द्वारा संचालित एक एयरबेस के पास हुई सुरक्षा घटना की जांच के सिलसिले में ब्रिटिश पुलिस ने ब्रिटेन और ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को गुरुवार को लंदन में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ब्रिटेन की राजधानी में दो ठिकानों की तलाशी ली गई। यह मामला रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ फेंयरफोर्ड में सप्ताहांत के दौरान हुई सुरक्षा घटना से जुड़ा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी

पुतिनने की पीएम मोदी की तारीफ: पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर किया हमला तो करेंगे हर हथियार का इस्तेमाल

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विषय नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पृच्छे हैं। पुतिन ने कहा, "प्रधानमंत्री की इसमें गहरी रुचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं।

हमला हुआ तो करेंगे सभी हथियारों का इस्तेमाल : पुतिन : रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने

मक्का में आत्मघाती हमले की कोशिश! वायरल वीडियो पर सऊदी अरब की सफाई

मक्का , एजेंसी। सऊदी में एक आत्मघाती हमलावर ने ग्रैंड मस्जिद के अंदर विस्फोटक से भरी जैकेट में धमाका करने की कोशिश की. डिवाइस में खराबी के कारण कोई धमाका नहीं हुआ. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित हमलावर काबा के करीब पहुंच गया था. हालांकि सऊदी अधिकारियों ने मक्का की ग्रैंड मस्जिद में आत्मघाती बमबारी की कोशिश की खबरों को खारिज कर दिया है. उन्होंने कहा कि इस घटना के बारे में फैल रहे दावे झूठे हैं.

सऊदी पब्लिक सिक्वोरिटी ने बताया कि पवित्र स्थल पर एक व्यक्ति को राहगीरों को परेशान करने और उनमें घबराहट व डर पैदा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. अधिकारियों ने कहा कि उस व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई और मामले को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को सौंपने से पहले जरूरी कानूनी कदम उठाए गए.

सऊदी अधिकारियों ने बमबारी के दावों को नकारा : एक बयान में सऊदी पब्लिक सिक्वोरिटी ने कहा कि सुरक्षा



पास मौजूद "सभी हथियारों" के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा। विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जबर कर रहे हैं।

नाटो की किस हरकत पर भड़का रूस : पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस के कई यूरोपीय दूतावासों ने इस सप्ताह बयान जारी कर कहा कि मॉस्को के पास 'जानकारी' है कि नाटो

कालिनिनग्राद और कालिनिनग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। रूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर 'खतरनाक खेल खेलने' का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या डीन और तोड़फोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है।

क्या परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा रूस : गुरुवार को वाल्दाई क्लब के मंच पर पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस और नाटो युद्ध के करीब पहुंच गए हैं या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, "यह डराने-धमकाने की बात नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है। पुतिन ने कहा कि नाटो को दो गई पिछली चेतावनी में 'सब कुछ सही लिखा गया है।' उन्होंने कहा कि अगर रूस के

खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिनग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल 'अनिवार्य' रूप से और 'तुरंत' सामने आएगा। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं 'जो किसी और के पास नहीं हैं' और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए।

भारत के साथ आर्थिक गलियारों पर भी पुतिन का बयान :

पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में हैं। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसंधान उपलब्ध कराने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारे का एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संपर्क है।

कतर के दोहा में एआईआईबी का 11वां वार्षिक सम्मेलन आयोजित, वैश्विक निवेश और विकास पर हुई चर्चा



उपलब्धियां कतर की राजधानी दोहा में 28 व 29 सितंबर को आयोजित यह सम्मेलन ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। एआईआईबी के दस वर्षों का सफर पूरा होने पर आयोजित इस बैठक में विकास प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई।

सम्मेलन में भाग लेने आए प्रतिनिधियों ने सतत विकास व बहुपक्षीय सहयोग पर बल दिया। 'भविष्य के लिए बुनियादी ढांचा: प्रभाव और नवाचार' रखा गया था।सम्मेलन दौरान दुनिया भर से आए प्रतिनिधियों ने सतत विकास और बहुपक्षीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया। वर्ष 2016 में 57 संस्थापक सदस्यों से शुरू हुए इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब बढ़कर 111 हो गई है। दोहा सम्मेलन और पहले दशक की

संस्थापक सदस्यों से शुरू इस बैंक के सदस्यों की संख्या अब 111 हो चुकी है। पहले दस वर्षों में बैंक ने 79 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के वित्तपोषण को मंजूरी दी। इस राशि से दुनिया भर में 400 से ज्यादा महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को समर्थन मिला। महाप्रबंधक चो च्यायी का वृत्तिकोण और लक्ष्य आने वाले नए दशक के लिए एआईआईबी की महाप्रबंधक चो च्यायी ने बैंक की कार्ययोजना पेश की। उन्होंने कहा कि बैंक की अगली यात्रा में प्रभाव, नवाचार और ईमानदारी तीन मुख्य विचार होंगे। इसके तहत वर्ष 2030 तक वार्षिक वित्तपोषण

यूएस: हूती विद्रोहियों को मदद पहुंचाने के आरोप में अमेरिकी इंजीनियर गिरफ्तार, एफबीआई ने कैसे कसा शिकंजा?

वांशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई ने अमेरिकी ऊर्जा विभाग के एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर को ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को कथित तौर पर मदद कराने के आरोप में गिरफ्तार किया है। न्याय विभाग ने गुरुवार को आरोपी को कथित तौर पर घर में विस्फोटक और ड्रोन बनाने के लिए सामग्री खरीदी तथा यमन की यात्रा भी की थी।

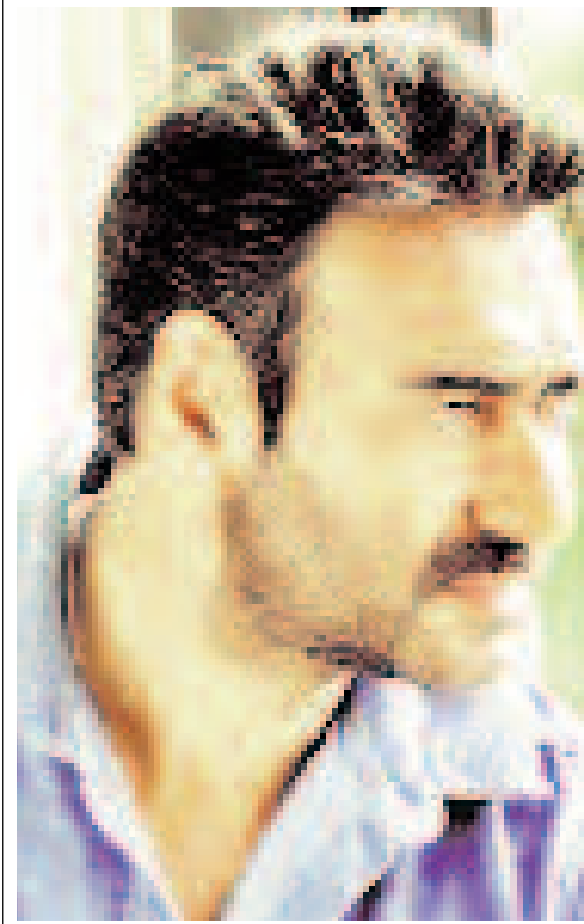
क्या है अमेरिकी इंजीनियर पर आरोप : वांशिंगटन राज्य के रिचलैंड निवासी 51 वर्षीय एश्टन हमीद एलाबूडी को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। उसे शुक्रवार को पहली बार अदालत में पेश किया जाना है। अदालत के रिकॉर्ड में उसके पक्ष में बोलने के लिए किसी वकील का नाम दर्ज नहीं है। एफबीआई के मुताबिक, एलाबूडी का मकसद हूती विद्रोहियों की संचार क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करना था। वह पिछले सितंबर में यमन गया था। यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब समर्थित सरकारी बलों के बीच हिंसा हो रही है, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। यमन में संघर्ष की शुरुआत साल 2014 में हुई थी, जब ईरान समर्थित विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद देश की सरकार को सऊदी अरब में निर्वासन में शरण लेनी पड़ी थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका लौटने पर एलाबूडी ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा अधिकारियों को बताया कि वह काम के सिलसिले में ओमान से लौट रहा था और अमेरिकी सरकार के एक मिशन का हिस्सा था,

की कोशिश की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या हमलावर पायलट और तेहरान के बीच कोई संबंध है, तो उन्होंने कहा कि इस बारे में पता लगाया जा रहा है। ट्रंप ने बिना कोई विस्तृत जानकारी दिए कहा, "जो बातें मुझे पता चल रही हैं, उनके आधार पर मैं कहूंगा कि अक्टूबर के अंत तक क्षेत्र में तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत तैनात हो जाएंगे। तीसरे विमानवाहक पोत से सैनिकों की यह तैनाती अमेरिका में प्रस्तावित मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले ईरान के खिलाफ ट्रंप की युद्ध रणनीति में तेजी से हो रहे बदलाव को दर्शाती है। साथ ही, ऐसे संकेत भी मिल रहे हैं कि यह संघर्ष अब और अधिक जटिल होता जा रहा है। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध को और तेज किया जा सकता है, हालांकि शुरुआत में उन्होंने अमेरिकी जनता से यह अभियान केवल कुछ हफ्तों में समाप्त करने का वादा किया था। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि ईरान का संबंध फ्लाईदुबई के उस सह-पायलट से हो सकता है, जिसने बुधवार को इजराइल जा रहे विमान को कसान पर चक्कू से हमला किया था और विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने

बढ़ाकर लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंचाया जाएगा। सालाना वित्तपोषण दौगुना होने से सदस्य देशों में बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा तैयार होगा। महाप्रबंधक चो च्यायी अनुसार यह वित्तीय विस्तार विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को नई मजबूती देगा।पारदर्शी नीतियों व नवाचार पर आधारित दृष्टिकोण से परियोजनाओं का काम तेजी से होगा। वित्तीय संसाधनों के विस्तार से सदस्य देशों की दीर्घकालिक विकास आवश्यकताओं की पूर्ति होगी। भविष्य की परियोजनाओं में जलवायु लचीलापन, अक्षय ऊर्जा व डिजिटल बदलाव को प्राथमिकता मिलेगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय संपर्क, प्रकृति संरक्षण और जन कल्याण से जुड़ी परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा। हरित ऊर्जा व डिजिटल तकनीक में निवेश से सदस्य देशों में समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।



जिसका काम मिसाइल रक्षा प्रणालियों का निरीक्षण करना था। हालांकि, एफबीआई के हलफनामे के अनुसार, जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के सुपरवाइजर से पूछताछ की, जिन्होंने निरीक्षण कार्यक्रम उनकी जानकारी में नहीं था, जिसके लिए एलाबूडी को भेजा गया हो। एफबीआई के हलफनामे के मुताबिक, एलाबूडी की बातचीत एफबीआई के मुखबि्रों ने रिकॉर्ड की थी। इसमें उसने कथित तौर पर बताया कि उसे यमन में गुप्त रूप से प्रवेश करना और वहां से बाहर निकलना पड़ा था। उसने यह भी कहा था कि वह राजधानी पहुंचकर सरकार के उच्च स्तर पर संपर्क स्थापित करना चाहता था। एफबीआई के अनुसार, हालांकि कि जांचकर्ताओं ने एलाबूडी के बारे में तब जांच शुरू की, जब उन्हें पता चला कि उसने ऐसे रसायन खरीदे थे 'इनमें एसिटोन और सोडियम बाइसल्फेट के अलावा ड्रोन बनाने में इस्तेमाल होने वाले पुर्जें भी शामिल थे।



हॉरर थ्रिलर प्रोजेक्ट से जुड़े अजय देवगन

अजय देवगन की अपकमिंग हॉरर थ्रिलर फिल्म का आधिकारिक टाइटल सामने आया है। इस फिल्म के निर्देशक रोहित जुगराज हैं। पहले इस प्रोजेक्ट को ‘गृह प्रवेश’ के नाम से जाना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इस फिल्म का नाम ‘सूर्य प्रकाश’ रखा गया है।

किससे प्रेरित है कहानी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह सुपरनैचुरल थ्रिलर एक रहस्यमयी और नैतिक रूप से जटिल दुनिया को दिखाएगी, जिसमें देवगन एक ऐसा किरदार निभाएंगे जो उनकी हालिया फिल्मों के किरदारों से बिल्कुल अलग होगा। कहा जाता

है कि इसकी कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित है, जो एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। यह ग्रंथ पारंपरिक रूप से भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। ‘सूर्य प्रकाश’ टाइटल इस कहानी में रहस्य और रोमांच की एक और परत जोड़ता है, जिसमें हॉरर, मिस्ट्री और सस्पेंस का मिश्रण होने की उम्मीद है। फिल्म का प्रोडक्शन दो सितंबर को शुरू हुआ और इसके नवंबर तक चलने की उम्मीद है। खबरों के मुताबिक, मेकर्स इसे 2027 की दूसरी छमाही में सिनेमाघरों में रिलीज करने का लक्ष्य बना रहे हैं। इस फिल्म को पैनोरमा स्टूडियोज के कुमार मंगत और अभिषेक पाठक, देवगन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

रोहित जुगराज का

हॉरर जॉनर से नाता

‘सूर्य प्रकाश’ के निर्देशक रोहित जुगराज का

हॉरर जॉनर से पुराना नाता रहा है। उन्होंने 2003 में अजय देवगन की फिल्म ‘भूत’ में राम गोपाल वर्मा के असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। इसके बाद जुगराज ने ‘सरदारजी’ फिल्में डायरेक्ट कीं और ‘ये काली काली आंखें’ और ‘चमक’ जैसे स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स पर भी काम किया। ‘सूर्या प्रकाश’ पर देवगन के साथ उनका काम सुपरनैचुरल जॉनर में एक और कोशिश है, जो इस बार एक मिस्ट्री-बेस्ड कहानी के जरिए सामने आएगी।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

अजय देवगन जल्द ही रोहित शेट्टी की ‘गोलमाल 5’ में भी नजर आएंगे। यह फिल्म ‘गोलमाल’ सीरीज की पांचवीं फिल्म है। खास बात यह है कि इस फिल्म से अक्षय कुमार भी जुड़े हैं। बताया जाता है कि वह इस फिल्म में विलेन का किरदार करेंगे। अजय देवगन ‘दृश्यम: द कन्वल्जून’ की तैयारी कर रहे हैं, जो इस पॉपुलर थ्रिलर फ्रैंचाइजी का अगला चेंप्टर है।



अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने काफी मदद की

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिव्या दत्ता ने बातचीत की। दिव्या दत्ता ने कहा, ‘‘सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूँ और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, ‘सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।’ इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूँ।’’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं। वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूँ, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।’’ दिव्या ने आगे कहा, ‘‘वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि ‘नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है’, तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।’’ इस बीच, ‘लास्ट मैन इन टावर’ अरविंद अडिगा के इसी नाम के उपन्यास पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलते मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधु की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुरानी अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहते हैं। जब एक अमीर डेवलपर वहां के निवासियों को इमारत बेचने के बदले बड़ी रकम की पेशकश करता है, ताकि उसकी जगह एक लक्जरी टावर बनाया जा सके, तो ज्यादातर लोग पैसे के लालच में इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो जाते हैं। हालांकि, मनोज बाजपेयी का किरदार वहां से जाने से इनकार कर देता है और इस तरह वह पुनर्विकास योजना के रास्ते में अकेली बड़ी बाधा बन जाता है।



सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ

बोली-बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री

बॉलीवुड में सहायक निर्देशक से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी वाघ पारिवारिक ड्रामा फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, ‘‘बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह है कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को ‘दीदी तेरा देवर दीवाना’ में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को ‘मेय्या यशोदा’ में देखते हुए बड़ी हुई हूँ और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी।’’ अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने की वजह बताया। उन्होंने कहा, ‘‘मुझे लगता है

कि कहीं न कहीं, इन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के विचार से प्यार करना सिखाया।’’ अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पर्दे पर हमेशा से ही रोमांस करना पसंद है। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने बताया, ‘‘मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा है, जिस तरह से आप एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी बता सकते हैं। इसलिए सूरज बड़जात्या जी की ‘ये प्रेम मोल लिया’ के साथ इसका अनुभव करना अविश्वसनीय रूप से खास लग रहा है।’’ शरवरी ने कहा, ‘‘यह एक खूबसूरत पल जैसा लग रहा है, उस तरह के बॉलीवुड को जीने का, जिसे देखते हुए और जिसके सपने देखते हुए मैं बड़ी हुई हूँ। मैं सच में इसके हर पल का आनंद ले रही हूँ।’’ फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें फिल्म की हल्की झलक देखने को मिली। हालांकि फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस फिल्म से राजश्री का आइकॉनिक किरदार ‘प्रेम’ 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं। फिल्म ‘ये प्रेम मोल लिया’ एक पारिवारिक और रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें पहली बार आयुष्मान और शरवरी साथ में स्क्रीन पर नजर आएंगे।

सलमान खान की ‘मॉन्स्टर’ में होगा जबरदस्त एक्शन

सलमान खान के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को बड़े पर्दे पर देखने का दुनिया भर में मौजूद फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं मच अवेटेड फिल्मों में से एक है सुपरस्टार स्टारर फिल्म ‘मॉन्स्टर’, जिसे श्री वेंकटेश्वरा क्रिएशंस के बेनर तले बनाया जा रहा है, जबकि इसे जाने माने फिल्ममेकर वामशी पैडिपल्ली डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में सलमान खान के साथ नयनतारा स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। बता दें कि सलमान की इस हाई-बजट एक्शन ड्रामा ने दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट पैदा की है। फिल्म से जुड़े अपडेट्स का इंतजार कर रहे फैंस के लिए इससे जुड़े एक करीबी स्रोत ने यह जानकारी दी है कि प्रोजेक्ट में खलनायक की भूमिका निभा रहे अरविंद स्वामी, हाल के समय में 10 दिनों के बड़े शेड्यूल के लिए ‘मुंबई’ में मौजूद हैं। मुंबई में शूट होने वाले फिल्म के सीन्स खास हाईलाइट होने वाले हैं, क्योंकि जानकारी के मुताबिक वे सलमान खान के साथ कुछ अहम हिस्से के साथ-साथ कुछ एक्शंस सीन्स की भी शूटिंग कर रहे हैं। स्रोत ने जानकारी साझा करते हुए बताया है कि, ‘मुंबई में अरविंद स्वामी ने अपनी 10 दिनों के शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है, और टीम इन सीक्वेंस की कोरियोग्राफी और एजैक्यूशन पर बहुत काम कर रही है।



वाणी कपूर संग पहली बार नजर आएंगे इश्वाक सिंह



इन दिनों अपनी फिल्म ‘गांधारी’ को लेकर चर्चा में चल रहे इश्वाक सिंह ने ‘पाताल लोक’, ‘रॉकेट बॉयज’ और ‘बर्लिन’ जैसे प्रोजेक्ट्स में गंभीर और दमदार किरदार निभाए हैं। लेकिन अब अभिनेता एक अलग अंदाज में नजर आने वाले हैं। वह वाणी कपूर के साथ फिल्म ‘सर्वगुण संपन्न’ में रोमांटिक किरदार निभाते दिखेंगे। दोनों की यह पहली ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। इस बारे में खास बातचीत में इश्वाक ने कहा...

बेहतरीन टीम के साथ काम करने में आया मजा

फिल्म में काम करने के अनुभव को लेकर इश्वाक ने अमर उजाला डिजिटल को बताया, ‘शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा। यह एक बेहतरीन टीम थी, को-एक्टर बहुत अच्छे थे और डायरेक्टर सोनाली भी बहुत प्यारी हैं। उनके साथ काम करने में बहुत

अच्छा समय बीता।’

2023 में पूरी हुई थी शूटिंग

अब रिलीज का इंतजार

बता दें कि फिल्म की शूटिंग 2023 में पूरी हो गई थी, लेकिन रिलीज लंबे समय से टली हुई थी। इस बारे में पूछने पर अभिनेता ने कहा, ‘देखिए, फिल्म कब रिलीज होगी, फिलहाल मेरे पास इससे ज्यादा जानकारी नहीं है। अब जब टीजर भी आउटस हो चुका है, मुझे पूरा यकीन है कि यह जल्द रिलीज होगी।’

वाणी के साथ काम करने का अनुभव किया साझा

वाणी कपूर के साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने कहा, ‘वाकई मैं, फिलहाल मुझे इस फिल्म के बारे में बोलने की इजाजत नहीं। पर हां, उनके साथ काम करने में काफी अच्छा लगा। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों

को हमारी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पसंद आएगी।’

क्या है कहानी

‘सर्वगुण संपन्न’ की कहानी एक ऐसी लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शवल एक मशहूर एडल्ट फिल्म स्टार से मिलती है। इस वजह से उसे समाज और शादी से जुड़े कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ता है। फिल्म मजाकिया अंदाज में महिलाओं पर समाज की उम्मीदों और अपनी पहचान के साथ जीने की बात करती है। फिल्म में रघुबीर यादव, बृजेंद्र काला, प्रयरक मेहता, गीता त्यागी, नामिक पॉल और श्वेता पारसिचा भी नजर आएंगे। फिल्म जीसी पर स्ट्रीम होगी। निर्देशन सोनाली रतन देशमुख ने किया है।



....ऐसे शुरू हुई स्टेबिन बेन और नूपुर सेनन की लव स्टोरी

गायक स्टेबिन बेन और नूपुर सेनन हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो ‘डबल डेट’ में पहुंचे, जहां इस कपल ने अपनी दिलचस्प प्रेम कहानी का खुलकर जिक्र किया। शो के दौरान स्टेबिन बेन ने बताया कि उन्होंने पहली बार 2016 में नूपुर को कोलैब के लिए मैसेज किया था। स्टेबिन ने बताया, ‘‘हम दोनों को म्यूजिक से बहुत प्यार था। नूपुर क्लासिकली ट्रेन सिंगर हैं और मैंने कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं ली है, लेकिन मैं गाता था।’’ स्टेबिन बेन ने बताया, ‘‘इसी तरह हम इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के काम की तारीफ करते-करते बातें करने लगे। मैंने नूपुर को बहुत साल पहले 2016 में कोलैब के लिए डीएम (डायरेक्ट मैसेज) किया था, तब वो यूट्यूबर थीं। नूपुर ने बताया कि उन्होंने स्टेबिन का मैसेज लगभग 4 साल तक देखा ही नहीं था। 2020 में जब उन्होंने स्टेबिन का गाना हुआ ‘मेरा दिल भी कितना पागल है’ का कवर सुना, तब पहली बार उन्होंने उनकी आवाज सुनी और उन्हें उनकी आवाज

बहुत पसंद आई। नूपुर ने याद करते हुए बताया, ‘‘उस समय मैं सिंगल थी और एक दिन मैंने इंस्टाग्राम पर स्टेबिन का डीएम देखा। उन्होंने यह मैसेज 2016 में कोलैब के लिए भेजा था। उनके मैसेज में कुछ अलग वाइब और एनर्जी थी, इसलिए मैंने रिप्लाई किया और हमारी बातें शुरू हो गईं। वो मुझे गानों के वॉइस नोट भेजते थे और मुझे वो बहुत पसंद आते थे।’’ नूपुर सेनन और प्रसिद्ध भारतीय गायक स्टेबिन बेन ने जनवरी 2026 में उदयपुर में शादी की थी। यह शाही शादी उदयपुर में उदयसागर झील के बीच स्थित रेफ्लेक्स होटल में हुई। कपल ने दो अलग-अलग रीति-रिवाजों से शादी की थी। उन्होंने पहले 10 जनवरी 2026 को क्रिश्चियन रीति-रिवाज से सफेद गाउन और सूट पहनकर वाइट वॉडिंग की। इसके बाद पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। हिंदू विवाह समारोह के दौरान नूपुर ने पीच और ऑरेंज रंग का खूबसूरत डुअल-टोन लहंगा पहना था।



एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रचा इतिहास, लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 5-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए भी सीधे क्वालीफाई कर लिया। एशियन गेम्स के इतिहास में यह पहली बार है, जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने लगातार दो बार स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारत की ओर से कप्तान हसनप्रत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। उनके अलावा जुगराज सिंह, उपकप्तान हार्दिक सिंह और शिलानंद लकड़ा ने एक-एक गोल किया। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल

शेलो सिल्वरियस ने 14वें मिनट में किया। मुकाबले की शुरुआत दोनों टीमों के बीच कड़े संघर्ष के साथ हुई। 11वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रत सिंह ने गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, तीन मिनट बाद मलेशिया ने जवाबी हमला करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने फिर बढ़त हासिल कर ली। 23वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर जुगराज सिंह ने शानदार ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल दागा और भारत को 2-1 से आगे कर दिया। हाफ टाइम तक भारतीय टीम इसी बढ़त के साथ रही। तीसरे क्वार्टर में भारत ने अपनी पकड़ और मजबूत कर ली। 42वें मिनट में उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर

दिया। इसके बाद चौथे क्वार्टर में शिलानंद लकड़ा ने 54वें मिनट में मैदानी गोल किया। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले 57वें मिनट में हसनप्रत सिंह ने अपना दूसरा गोल करते हुए भारत की जीत 5-1 से तय कर दी। इस जीत के साथ भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी का अपना पांचवां स्वर्ण पदक हासिल किया। पाकिस्तान ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारतीय हॉकी के लिए यह एशियन गेम्स विशेष रूप से यादगार रहा, क्योंकि महिला टीम में भी शुक्रवार को चीन को 1-0 से हराकर 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमों ने स्वर्ण पदक जीतने के साथ लॉस एंजेलिस ओलंपिक का टिकट भी हासिल कर लिया।



संघर्ष से शिखर तक: अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में दिलाया स्वर्ण



मुम्बई (एजेंसी)। हांगझोउ में चल रहे एशियाई खेलों के पंद्रहवें दिन भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने देश के लिए 20वां स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। 57 किलोग्राम वर्ग के कड़े मुकाबले में अमन ने उरर कोरिया के विश्व चैंपियन चोंग सोंग हान को 11-7 से हराकर पौडियम के शीर्ष स्थान पर कब्जा किया। यह अमन का इन खेलों में शानदार प्रदर्शन था, जहाँ उन्होंने अपनी पिछली ब्रॉन्ज मेडल की उपलब्धि को स्वर्ण में बदल दिया। 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने निर्णायक मुकाबले में बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन किया। एक समय प्रतिद्वंद्वी ने 7-6 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन अमन ने जबरदस्त वापसी करते हुए मैच को अपने पक्ष में कर लिया और स्वर्ण पदक भारत के नाम किया। इससे पहले, सेमीफाइनल में उन्होंने ताजिकिस्तान के ऐयाल बेतोलियुव्स्की को 14-8 से हराकर स्वर्ण पदक की

उम्मीद जगाई थी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता बने अमन फाइनल में लगातार नियंत्रण में रहे।

अमन सहरावत का जीवन संघर्षों से भारा रहा है। हरियाणा के झज्जर जिले के बिरौहड़ गांव के रहने वाले अमन जब मात्र 11 साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया और कुछ ही महीनों बाद उनके पिता का भी साया सिर से उठ गया। इन विपरीत परिस्थितियों में उनकी बहन और चाचा ने उनका सहारा बने। चाचा ने उन्हें छत्रमाल स्टेडियम में कुश्ती का प्रशिक्षण दिलाया, जहाँ अमन ने पूरी लगन और मेहनत से अभ्यास किया। उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में 57 किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया, जिससे यह ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के सबसे युवा एथलीट बन गए।

पाकिस्तान फिर नहीं सुधरा, सैम अयूब की हरकत ने खोली पोल

निशियों। यह पुरानी कहावत है कि कुत्ते की दुम को चाहे कितने सालों तक मिट्टी में दबाकर रखो, निकालेंगे तो टेढ़ी की टेढ़ी ही निकलेगी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का हाल भी कुछ ऐसा ही है। लगातार हार और विष क्रिकेट में ट्राॅफी चोर का ट्रेग ड्रेल रही पाकिस्तानी टीम ने एक बार फिर अपनी घटिया हरकत से खुद को शर्मसार किया। हाल ही में एक टी-20 फाइनल मुकाबले में, लगातार 6 मैच हारने के बाद भी पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों को उकसाने की कोशिश की, जिसका खामियाजा उन्हें मैदान पर भुगताना पड़ा। यह घटना तब घटी जब पाकिस्तान के युवा खिलाड़ी सैम अयूब ने भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद बच्चा गाद में लेने वाला भ्रम सौलंघन किया। वैभव, जो इस समय पूरी दुनिया में, यहां तक कि पाकिस्तान में भी हजारों प्रशंसकों के चहेते हैं, उन्होंने इस उकसावे पर संयम बनाए रखा और पलटकर जवाब नहीं दिया। हालांकि, उनके साथी ओपनर अभिषेक ने इस हरकत का कारा जवाब दिया। सैम अयूब के उसी ओवर में अभिषेक ने एक छक्का और दो चौके जड़कर तीन ओवर में ही भारतीय स्कोर को 43 रन तक पहुंचा दिया और पाकिस्तान की नींव हिला दी। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने मैदान पर ऐसी अशोभनीय हरकत की हो। इससे पहले एशियन गेम्स और एशिया कप जैसे टूर्नामेंट्स में भी पाकिस्तान के खिलाड़ी भारतीय बल्लेबाजों को चिढ़ा चुके हैं। एशिया कप में अब्बास अहमद ने एक भारतीय बल्लेबाज को आउट करने के बाद गांदा सा श्वारा करके जलन मनाया था, जिसके बाद पूरे टूर्नामेंट में भारतीय बल्लेबाजों ने उनको दूढ़-दूढ़ कर मारा था।

एशियन गेम्स 2026: प्रणवी उर्स ने गोल्फ में दिलाया ऐतिहासिक गोल्ड, महिला टीम ने जीता सिल्वर

कासुगाई (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने कासुगाई कट्टी क्लब ईस्ट कोर्स में इतिहास रच दिया है। प्रणवी व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। चार दिनों तक चले इवेंट में उन्होंने 15-अंडर 265 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अपने अंतिम दिन प्रणवी ने ईवन पार 70 का स्कोर किया और देश को गौरव दिलाया।



स्कोर 12-ओवर रहा।

प्रणवी की शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला टीम ने भी चार दिनों में 14-अंडर 546 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। यह एशियन गेम्स के इतिहास में महिला टीम स्पर्धा में भारत का पहला गोल्फ मेडल है, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जहां प्रणवी ने शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिलाजुला रहा। अदिति अशोक ने अंतिम दिन 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया और कुल 2-ओवर 282 के साथ 14वें स्थान पर रहीं। दीक्षा डागर चौथे दिन 7-ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर रहीं, उनका कुल

एशियन गेम्स 2026: भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर जीता स्वर्ण, खिताब बरकरार

निशन (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 के पुरुष क्रिकेट फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए हार्ड-स्कोरिंग मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स में क्रिकेट का लगातार दूसरा स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना खिताब बरकरार रखा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने तिरंगा लहराकर मैदान का चक्रब लगाया और स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों का अभिवादन किया। भारत को शुरुआत में ही अभिषेक शर्मा और युवा वैभव सूर्यवंशी ने तेज रन बनाने में मदद की। अभिषेक ने 28 गेंदों में 61 रन की आक्रामक पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और सात छक्के लगाए तथा महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। वैभव



ने भी नौ गेंदों में 15 रन बनाए और दो छक्के जड़े। हालांकि वह सईम अयूब की गेंद पर आउट हो गए। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों की आक्रामक बल्लेबाजी ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय पारी को मध्यक्रम में तिलक वर्मा ने संभाला। तिलक ने केवल 22 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए। उनकी पारी में तीन

हसन नवाज ने भारतीय गेंदबाजों का सामना करते हुए 51 गेंदों में 96 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चार रन दूर रह गए। साद मसूद ने पांच गेंदों में 12 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी। भारत की ओर से शिवम दुबे ने तीन ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिए। पारी की आखिरी गेंद पर दुबे ने हसन नवाज को संजू सैमसन के हाथों कैच कराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। एशियन गेम्स क्रिकेट में भारत और पाकिस्तान के बीच यह पहली पुरुष फाइनल भिड़ंत थी। भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में क्रिकेट में पहली बार हिस्सा लेते हुए स्वर्ण पदक जीता था। अब 2026 में पाकिस्तान को हराकर भारतीय टीम ने अपना खिताब बरकरार रखा और एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार क्रिकेट का स्वर्ण अपने नाम किया।

एशियन गेम्स 2026 : ईशान किशन ने रचा इतिहास, एक कैलेंडर वर्ष में हजार टी20 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

निशियों। एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जा रहे मुकाबले के दौरान भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। ईशान इस मुकाबले में 18 गेंदों पर 20 रन ही बना सके, लेकिन उनकी यह पारी ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ दर्ज हो गई। ईशान ने 2026 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक हजार रन पूरे कर लिए हैं। वह एक कैलेंडर वर्ष में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान किशन ने इस साल अब तक 169 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,005 रन बनाए हैं। उनसे पहले सूर्यकुमार यादव ने 2022 में यह मुकाम हासिल किया था। सूर्यकुमार ने उस कैलेंडर वर्ष में 187 के स्ट्राइक रेट से 1,164 रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के करणवीर सिंह के नाम बताया गया है।



उन्होंने 2025 में 174 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 1,472 रन बनाए थे। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 2021 में 1,326 रन बनाए थे। मैच की बात करें तो एशियन गेम्स के फाइनल में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 211 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 28 गेंदों में तीन चौकों और सात छक्कों की मदद से 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय पारी को तेज शुरुआत देने के साथ बड़े स्कोर की नींव तैयार की। तिलक वर्मा ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाए। शिवम दुबे ने 15 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। हालांकि वैभव सूर्यवंशी बड़ी पारी नहीं खेल सके और नौ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। संजू सैमसन का बल्ल भी नहीं चला और वह केवल दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन 21 रन ही बना सके।

एशियाई खेल 2026: नीरज चौहान ने धीरज बोम्मदेवरा को हरा जीता कांस्य पदक

नागोया (एजेंसी)। जापान के नागोया में चल रहे एशियाई खेल 2026 में भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पज स्कार्पार में हुए इस रोमांचक ऑल-इंडियन ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में नीरज ने अपने हमवतन धीरज बोम्मदेवरा को 6-4 से शिकस्त दी। यह मुकाबला पांच सेट तक चला, जिसमें नीरज 2-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कांस्य पदक हासिल करने में सफल रहे। कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचने से पहले, नीरज को सेमीफाइनल में जापान के जुन्या नाकानिशी से 7-1 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि धीरज को दक्षिण कोरिया के ली यू-सेओक ने 3-7 से हराया था। इसके बाद दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच यह मुकाबला निर्धारित हुआ। ब्रॉन्ज मेडल

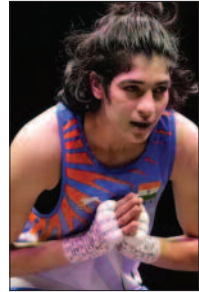


मुकाबले की शुरुआत नीरज ने दमदार तरीके से की, उन्होंने पहला सेट 29-26 से अपने नाम करते हुए 2-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, धीरज ने दूसरे और तीसरे सेट में वापसी करते हुए त्रैमशः 28-27 और 29-28 के स्कोर से जीत हासिल की और मुकाबले में 4-2 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली। अब

धीरज को सिर्फ एक और सेट जीतने की जरूरत थी, जबकि नीरज के सामने मुकाबला बचाने की बड़ी चुनौती थी। नीरज ने चौथे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने तीनों तीरों पर परफेक्ट 10 का स्कोर किया और कुल 30 अंक हासिल कर धीरज को 30-27 से

हराया, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया और मैच निर्णायक पांचवें सेट में पहुंच गया। निर्णायक सेट में भी नीरज ने दबाव के बीच अपनी एकग्रता बनाए रखी। धीरज ने 28 अंक बनाए, लेकिन नीरज ने अपने आखिरी दो तीरों पर 9 और 10 का स्कोर कर कुल 29 अंक हासिल किए और पांचवां सेट जीतकर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। नीरज और धीरज ने इससे पहले एशियाई खेल 2026 में टीम और मिश्रित स्पर्धाओं में भी पदक जीते थे। धीरज ने कुमकुम महोद के साथ मिश्रित रिकर्व स्पर्धा में रजत पदक जीता था, और पुरुष टीम स्पर्धा में नीरज चौहान तथा यशदोष भोगे के साथ मिलकर रजत पदक हासिल किया था। भारतीय तीरंदाजों ने इन खेलों में कुल मिलाकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

परवीन हुड्डा : बैन से वापसी कर जीता गोल्ड, मुश्किल अनुभवों ने बनाया मजबूत



निशियों। भारतीय बॉक्सर परवीन हुड्डा ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग में चीनी ताइपे की निपेन-चिन वे को हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। यह भारत के लिए मौजूदा खेलों में महिला बॉक्सिंग का दूसरा स्वर्ण पदक है। परवीन का यह सफर बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है, जिसमें उन्हें करीब दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा और उसके बाद की कठिन वापसी के दौरान मानसिक रूप से मजबूत बने रहना उनकी सबसे बड़ी ताकत साबित हुई। 2023 में वैंडरआबट्स वर्ल्ड के उद्घवन के कारण परवीन को 22 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था, जिसके चलते उन्हें एशियन गेम्स 2022 का अपना कांस्य पदक भी गंवाना पड़ा। संस्थापन खत्म होने के बाद उन्होंने प्रतियोगिताओं में वापसी की, लेकिन संघर्ष जारी रहा। ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वह क्वार्टर फाइनल में हारकर पदक की दौड़ से बाहर हो गई थीं। हालांकि, अपनी पिछली असफलताओं और मुश्किलों को अपने करियर पर हावी होने देने के बजाय, परवीन ने जीरो से शुरुआत करने का फैसला किया।

विराट कोहली को 7 साल बाद मिला गोल्डन डक, ईशांत-कुंबले को भी छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को शनिवार, 3 अक्टूबर 2026 को वेस्टइंडीज के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में एक निराशाजनक अनुभव हुआ। वे अपनी पारी की पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जिसे क्रिकेट की भाषा में गोल्डन डक कहा जाता है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सिल्स ने तीसरे ओवर की चौथी गेंद पर कोहली को इन्विस्विंगिंग यॉर्कर से बोल्ट कर दिया। यह घटना तब हुई जब सिल्स ने पिछली गेंद पर कप्तान शुभमन गिल को भी विकेट के पीछे लपकवाया था, जिससे भारतीय टीम मुश्किल में आई।

करीब सात साल बाद वनडे क्रिकेट में यह पहला मौका था जब कोहली गोल्डन डक का

शिकार हुए हैं। वर्तमान में, विराट कोहली सिर्फ वनडे प्रारूप में भारतीय टीम के लिए सक्रिय हैं, क्योंकि वे टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। यह भी एक दिलचस्प संयोग है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पिछले चार मौकों पर जब भी विराट कोहली शून्य पर आउट हुए हैं, वह अक्टूबर का महीना रहा है। न्यू चंडीगढ़ की घटना से पहले वे अक्टूबर 2025 में दो बार और अक्टूबर 2024 में एक बार खाता खोले बिना आउट हुए थे। उनके वनडे करियर की यह चौथी गोल्डन डक थी, और हेरत की बात यह है कि इन चार में से तीन बार उन्हें वेस्टइंडीज के विरुद्ध ही गोल्डन डक का सामना करना पड़ा है। इससे पहले वे 2019 में विशाखापट्टनम में कोरोन पोलार्ड के खिलाफ, 2013 में धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ

और 2011 में नॉर्थसाउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ गोल्डन डक हुए थे। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद, कोहली ने अपने नाम एक और आंकड़ा दर्ज किया है, हालांकि यह कुछ ऐसा नहीं जिसे वे याद रखना चाहेंगे। वे अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कुल 565 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वे 41 बार डक का शिकार हुए हैं, जिससे उन्होंने तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा (199 मैचों में 40 डक) को पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान 303 मैचों में 43 डक और शीर्ष पर हैं। वनडे क्रिकेट में भी, कोहली अब 317 मैचों में 19वीं बार शून्य पर आउट होकर पूर्व पेसर जवागल श्रीनाथ (229 मैचों में 19



डक) के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज अनिल कुंबले (269 वनडे में 18 डक) और युवा राज सिंह (301 वनडे में 18

डक) को पीछे छोड़ दिया है, जबकि महान सचिन तेंदुलकर 463 वनडे में 20 डक के साथ पहले पायदान पर बने हुए हैं।

इतिहास रचने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम पर बरसे पैसे

हांगझोऊ। चीन में आयोजित एशियाई खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 44 साल बाद स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया है। इस ऐतिहासिक जीत में टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन चीन को 1-0 से मात दी। यह जीत सिर्फ स्वर्ण पदक तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने टीम के लिए लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 का टिकट भी पक्का कर दिया है, जिससे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। हॉकी इंडिया ने इस अविस्मरणीय उपलब्धि पर खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 11-11 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 5.5-5.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। शुक्रवार को खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया। टीम की फॉरवर्ड लालरेमिसायमी ने मैच के 10वें मिनट में ही एक शानदार गोल दागकर भारत को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद, चीनी टीम ने बराबरी करने के कई प्रयास किए, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति और विशेषकर गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार फॉर्म ने उन्हें सफल नहीं होने दिया।